प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-134 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 10 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में सुलहवार्ता विफल, दो बार बुलाने पर भी नहीं पहुंचा मुस्लिम पक्ष

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण में समझौते की संभावनाओं को तलाशने के लिए आयोजित सुलहवार्ता विफल हो गई है। न्यायालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से इस संबंध में गुरुवार को आदेश पारित कर दिया गया। मुस्लिम पक्ष को समझौते के लिए दो बार अवसर दिए जाने के बावजूद वह सुलहवार्ता में उपस्थित नहीं हुआ।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर मथुरा में विशेष लोक अदालत (सुलहवार्ता) का आयोजन किया गया था। इसमें श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण से संबंधित विशेष अनुमति याचिकाओं (एसएलपी) में आपसी सहमति से समाधान की संभावना तलाशने का प्रयास किया गया। सुलहवार्ता की अध्यक्षता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे–11) सुरेंद्र प्रसाद ने की, निर्णय के दौरान सचिव और सदस्य भी मौजूद रहे। श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मस्जिद केस के हिंदू पक्षकार-अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि न्यायालय की ओर से मुस्लिम पक्ष को समझौते की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए दो बार बुलाया गया, लेकिन मुस्लिम पक्ष की ओर से कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद न्यायालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सुलहवार्ता की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए आदेश पारित कर दिया। महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हिंदू पक्ष की ओर से न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखा गया। उन्होंने कहा कि हिंदू पक्ष का प्रस्ताव था कि यदि मुस्लिम पक्ष विवादित स्थल से अपना दावा छोड़कर ढांचा हटाने को तैयार होता है तो अन्य स्थान पर मस्जिद निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने पर विचार किया जा सकता है।

हिंदू पक्षकार-अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट

न्यायालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने पारित किया आदेश

अब पत्रावली जा सकती है सुप्रीम कोर्ट

उन्होंने कहा कि हिंदू पक्ष विवादित स्थल को भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य स्थल मानता है और इसी आधार पर न्यायालय के समक्ष अपने तथ्य और दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि अब सुलहवार्ता से संबंधित पत्रावली सर्वोच्च न्यायालय भेजी जा सकती है।

महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में इस मामले की सुनवाई के लिए 21, 22 अथवा 23 अगस्त में से किसी भी निर्धारित तिथि पर आगे की प्रक्रिया हो सकती है। अब मामले में आगे का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय की प्रक्रिया के अनुसार होगा।

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर आयोजित विशेष लोक अदालत का उद्देश्य लंबित मामलों में आपसी संवाद और सहमति के माध्यम से समाधान की संभावना तलाशना था। हालांकि श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह प्रकरण में दोनों पक्षों के बीच सुलह का प्रयास किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सका।

न्यायालय ने पीड़िता के बयान को माना अहम, गंभीर आरोप बने वजह

कथावाचक आइटियन बाबा की जमानत अर्जी खारिज

नशीला दूध पिलाकर दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी को नहीं मिली राहत

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन थाना क्षेत्र में युवती को कथित रूप से नशीला पदार्थ मिलाकर दूध पिलाने, अश्लील हरकत करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार अभिषेक मिश्रा उर्फ आदिकर्ता नारायण दास को अदालत से राहत नहीं मिल सकी। अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (ई.सी. एक्ट) राजेश पाराशर की अदालत ने शुक्रवार को आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

अदालत में प्रस्तुत अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़िता ने आरोप लगाया कि वह अपनी बड़ी बहन से मिलने गोवर्धन आई थी। इसी दौरान आरोपी ने उसे भगवान का प्रसाद बताकर दूध पिलाया, जिसे पीने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह अचेत जैसी स्थिति में पहुंच गई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकत की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। बाद में आरोपी ने मोबाइल फोन पर भी अश्लील बातें कीं, संबंध बनाने का दबाव बनाया और धमकियां दीं।

मामले में 20 मई को गोवर्धन थाने में अपराध संख्या 256/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पीड़िता के न्यायिक बयान में भी गंभीर आरोप दोहराए गए। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि आरोपी पर गंभीर प्रकृति के आरोप हैं और उसे जमानत दिए जाने से जांच और न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

वहीं, बचाव पक्ष ने अदालत में तर्क दिया कि आरोपी निर्दोष है, उसे झूठा फंसाया गया है, एफआईआर देरी से दर्ज कराई गई है और उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि आरोपी के फरार होने की संभावना नहीं है, इसलिए उसे जमानत दी जानी चाहिए।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने मामले की गंभीरता, पीड़िता के बयान और उपलब्ध अभिलेखों को आधार मानते हुए आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया आरोप गंभीर प्रकृति के हैं, इसलिए इस स्तर पर आरोपी को जमानत पर छोड़े जाने का पर्याप्त आधार नहीं बनता। इसके साथ ही न्यायालय ने आरोपी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

जेल में है आरोपित

आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने वाला ओडिशा का अभिषेक मिश्रा चार वर्षों से शेरगढ़िया (राधाकुंज) क्षेत्र में रह रहा था। वह खुद को कथावाचक और धार्मिक कथाकार के रूप में प्रस्तुत करता था। किराए के कमरा लेकर रहने वाली छत्तीसगढ़ की एक युवती की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद उसे एक जून की देर शाम गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़िता का आरोप था कि बाबा ने नशीला दूध पिलाकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाए। फिर वायरल करने की धमकी दी।

मथुरा को मिले नए नगर आयुक्त ओजस्वी राज संभालेंगे जिम्मेदारी

यूनिक समय, मथुरा। शासन ने मथुरा–वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त जग प्रवेश का तबादला कर दिया है। उन्हें वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में विशेष सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी जगह ओजस्वी राज को मथुरा–वृंदावन नगर निगम का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। जग प्रवेश ने 17 मई 2025 को नगर आयुक्त का कार्यभार संभाला था। अपने कार्यकाल में उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, अतिक्रमण हटाने, नगर निगम की आय बढ़ाने और ठोस कचरा प्रबंधन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। इसके अलावा जलभराव की समस्या के समाधान, नागरिक सुविधाओं के विस्तार और धार्मिक आयोजनों के दौरान नगर निगम की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए भी कई कदम उठाए। अब नए नगर आयुक्त ओजस्वी राज, जो इससे पहले बलिया में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, के जल्द ही अपना कार्यभार संभालने की संभावना है।

कर्ज का नया चलन, मजबूरी नहीं अब योजना

आमदनी बढ़ी, सपनों के लिए कर्ज लेने लगे लोग

यूनिक समय, मथुरा। कर्ज लेने को लेकर लोगों की सोच तेजी से बदल रही है। अब लोन सिर्फ आर्थिक परेशानी या आय घटने की वजह से नहीं लिया जा रहा, बल्कि भविष्य की योजनाओं और बेहतर जीवनशैली के लिए भी काफी लोग और परिवार कर्ज का सहारा ले रहे हैं।

एक दशक तक 1.5 लाख से अधिक परिवारों पर हुई रिसर्च में सामने आया है कि पहली बार कर्ज लेने वाले हर दूसरे परिवार की आमदनी लोन लेने से पहले बढ़ी थी। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 50 प्रतिशत परिवारों ने आय बढ़ने के बाद पहली बार कर्ज लिया।

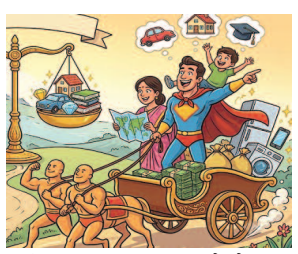

रिसर्च में पाया गया कि आय बढ़ने के बाद कई परिवारों ने घर, वाहन, बच्चों की शिक्षा, कारोबार और अन्य बड़े खर्चों की योजना बनाई। इनमें से करीब 60 प्रतिशत परिवारों ने बढ़ी हुई आमदनी के साथ अपना खर्च भी बढ़ाया। विशेषज्ञों का मानना है कि बदलती आर्थिक सोच में कर्ज अब मजबूरी नहीं, बल्कि भविष्य की कमाई पर भरोसे का फैसला बनता जा रहा है। हालांकि, पहली बार कर्ज लेने वाले परिवारों में कम बचत, कम संपत्ति, अधिक आय उतार–चढ़ाव और बड़े परिवार जैसी स्थितियां भी देखी गईं।

बढ़ी कमाई, फिर भी लोन लेने की चाहत

बदल रही सोच, कमाई संग बढ़ रहा कर्ज

रिपोर्ट के मुताबिक, कम शिक्षा और सीमित वित्तीय बचत वाले परिवारों में कर्ज लेने की संभावना अधिक पाई गई। वहीं, शहरी क्षेत्रों के परिवार भी घर और सुविधाओं से जुड़े खर्चों के लिए लोन लेने में आगे रहे। यह अध्ययन संकेत देता है कि कर्ज की संस्कृति अब जरूरत से आगे बढ़कर आर्थिक विकास और आकांक्षाओं से जुड़ रही है।

गुरु पूर्णिमा पर सजेगा सनातन गोस्वामी महोत्सव का धाम

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में गुरु पूर्णिमा पर सनातन गोस्वामी की स्मृति में आयोजित होने वाला 469 वां गुरु पूर्णिमा महोत्सव इस वर्ष 23 से 29 जुलाई तक श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में मनाया जाएगा। गिरिराज संत सेवा आश्रम के महंत राधा मोहन दास रघुनाथ सिद्ध ने बताया कि चैतन्य महाप्रभु के परम शिष्य सनातन गोस्वामी के गोलोकवास के 468 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। उनकी पावन स्मृति में उनके शिष्यों की परंपरा आज भी उसी श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है।

महंत ने बताया कि सनातन गोस्वामी बंगाल के तत्कालीन शासक हुसैन शाह के दरबार में मंत्री पद पर कार्यरत थे। भगवान श्रीकृष्ण के अवतार माने जाने वाले श्री चैतन्य महाप्रभु से दीक्षा प्राप्त करने के बाद

उन्होंने सांसारिक वैभव और मंत्री पद का त्याग कर दिया तथा वृंदावन में आकर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में जीवन समर्पित कर दिया। बाद में उन्होंने गोवर्धन स्थित चक्रेश्वर महादेव मंदिर के समीप एक छोटी कुटिया बनाकर तप, भजन और साधना की। वह प्रतिदिन गिरिराजजी की परिक्रमा करते थे और भक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाते रहे।

23 से 29 जुलाई तक गोवर्धन में सात दिवसीय आयोजन, तैयारियां

मुंडन, हरिनाम संकीर्तन और परिक्रमा में जुटेंगे देशभर के श्रद्धालु

उन्होंने बताया कि आज भी इस परंपरा का निर्वहन उनके शिष्य चैतन्य दास बाबा अपने सहयोगियों के साथ प्रतिदिन गिरिराज महाराज की दो परिक्रमा लगाकर करते हैं। यह परंपरा सदियों से अखंड रूप से जारी है और गुरु-शिष्य परंपरा की जीवंत मिसाल मानी जाती है।

महंत राधा मोहन दास ने बताया कि आषाढ़ पूर्णिमा संवत् 1558 में सनातन गोस्वामी का गोलोकवास हुआ था। उस समय उनके शिष्यों ने अपना मुंडन कराया और हरिनाम संकीर्तन, ढोल, मृदंग और मंजीरों की मधुर ध्वनि के बीच उनके पार्थिव शरीर की गिरिराज परिक्रमा कर अंतिम विदाई दी थी। उसी परंपरा का निर्वहन आज भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर किया जाता है। इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालु मुंडन संस्कार कर हरिनाम संकीर्तन के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा करेंगे। सात दिवसीय महोत्सव में देशभर से संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजन को लेकर आश्रम और स्थानीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

बयार ने हटाए बादल वापस लौटी उमस

गर्मी और उमस से दिन भर नहीं मिला शरीर को सुकून

कल वर्षा के आसार, फिर 16 तक छाएंगे बादल

उमस से राहत पाने को कागज से बयार करता होमगार्ड जवान।

यूनिक समय, मथुरा। दो दिन की वर्षा भी मौसम को प्रभावित नहीं कर सकी। बयार का साफ मिलने से उमस की वापसी हो गई तो लोग परेशान हो गए। बयार की वजह से सुबह से शाम तक कई बार छाए बादल बरस नहीं सके, जिससे उमस हो गई। अब मौसम विभाग ने शनिवार को वर्षा होने के आसार जताए हैं, इसके बाद 16 जुलाई तक आसमान केवल बादल छाए रहने की बात बताई है।

जिले में पिछले तीन दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश भी भीषण गर्मी और उमस से राहत नहीं दिला सकी। शुक्रवार को धूप और उमस ने लोगों को दिनभर बेहाल रखा। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, वहीं न्यूनतम तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम के ऐसे हाल से लोग सुबह से शाम तक परेशान होते रहे।

सुबह से ही चमकदार धूप और चिपचिपी गर्मी के चलते घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। दोपहर में बाजारों में भी ग्राहकों की आवाजाही सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम रही। घरों और कार्यालयों में कूलर और एयर कंडीशनर भी उमस के आगे बेअसर नजर आए।

मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र कुमार का कहना है कि रविवार को बारिश होने के आसार हैं। जब तक लगातार अच्छी बारिश नहीं होती, तब तक गर्मी और उमस से राहत मिलने की संभावना कम है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान में वित्तीय पारदर्शिता की मांग

यूनिक समय, मथुरा। सोशल आउटरीच कांग्रेस के जिलाध्यक्ष दीपक पाराशर ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव को प्रार्थना-पत्र भेजा है। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में विगत छह माह के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित दान-चढ़ावे के संबंध में वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है। भगवान के श्रीचरणों में अर्पित प्रत्येक दान श्रद्धालुओं की आस्था की अमूल्य धरोहर है और उसका पारदर्शी- उत्तरदायी प्रबंधन प्रत्येक धार्मिक न्यास का नैतिक दायित्व है।

मथुरा-वृंदावन में 12 से 14 जुलाई तक ई-रिक्शा चालकों की हड़ताल

यूनिक समय, मथुरा। यदि आप 12,13 और 14 जुलाई को मथुरा अथवा वृंदावन आ रहे हैं तो सोच समझकर आइए। हो सकता है कि आपको ई-रिक्शा की हड़ताल का सामना करना पड़े। फिर आपको निर्धारित पार्किंग स्थल या बस स्टेंड से अपने गंतव्य स्थान पर जाने के लिए परेशानी का सामना करना पड़े।

गौरतलब है कि मथुरा-वृंदावन के ई-रिक्शा चालकों ने 12 से 14 जुलाई तक प्रमुख मांगों को लेकर हड़ताल का ऐलान किया है। चालकों ने हड़ताल करने की वजह बीस- बीस हजार रुपये के चालान करना, वाहनों को सीज करना और रुट प्रक्रिया के नाम पर लगातार कार्रवाई करना शामिल हैं। उनकी मांगें ई-रिक्शा की रुट प्रक्रिया पूरी तरह से समाप्त करने, भारी चालानों और वाहन सीज करने की कार्रवाई पर रोक लगाने और चालकों को परेशान करने पर रोक लगाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि ई रिक्शा चालकों की हड़ताल होती है तो बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

छावनी क्षेत्र में भवन मरम्मत नीति की जानकारी उपलब्ध

यूनिक समय, मथुरा। छावनी परिषद ने क्षेत्र के नागरिकों के लिए सार्वजनिक सूचना जारी की है। परिषद ने बताया कि भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा 10 दिसंबर 2019 को छावनी क्षेत्रों में स्थित भवनों की मरम्मत से संबंधित नीति जारी की गई थी। इस नीति की जानकारी अब छावनी परिषद कार्यालय के सूचना पट, निर्धारित अन्य सूचना पटों और परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। नागरिक इन माध्यमों से भवन मरम्मत नीति से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी छावनी के मुख्य अधिशासी अधिकारी आकाश गर्ग की ओर से दी गई है।

यमुना में छोड़ी 15 हजार मछली अंगुलिकाएं

राष्ट्रीय कृषक दिवस पर किसानों को दी आधुनिक मत्स्य पालन की जानकारी

मछली अंगुलिकाओं का यमुना नदी में डालते हुए दुवासु के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा और ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र आदि।

यूनिक समय, मथुरा। दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासू) के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में शुक्रवार को 26 वें राष्ट्रीय कृषक दिवस का आयोजन दो चरणों में किया गया।

कार्यक्रम में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने और किसानों को आधुनिक तकनीकों की जानकारिया दी गई। प्रथम चरण में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की करीब 15 हजार मछली अंगुलिकाओं का यमुना नदी में संचयन (रैंचिंग) किया गया। दूसरे चरण में आयोजित किसान गोष्ठी में विभिन्न जनपदों से 120 किसानों ने भाग लेकर जानकारी हासिल की।

दुवासु के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा ने किसानों से वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर मत्स्य उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने मोती पालन, झींगा पालन और रंगीन मछली पालन जैसे नए क्षेत्रों में भी संभावनाएं तलाशने की सलाह दी। डॉ. सुभादीप घोष ने गुणवत्तापूर्ण बीज, संतुलित आहार और वैज्ञानिक रोग प्रबंधन को सफल मत्स्य पालन की कुंजी बताया। उन्होंने मत्स्य पालन को आय बढ़ाने, स्वरोजगार और उद्यमिता का प्रभावी माध्यम बताया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर एडीएम, जिला वन अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य विभाग और मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्कूली बस की टक्कर से ट्रॉली पलटी,दो महिलाओं की मौत

हादसे के बाद पलटी पड़ी ट्राली को देखते ग्रामीण।

हादसे के बाद घटनास्थल के समीनप पड़े ट्राली सवार घायल।

थाना राया क्षेत्र में हुए हादसे में ट्राली सवार 22 महिला-पुरूष घायल

शोक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे अलीगढ़ के गांव

यूनिक समय, राया। शुक्रवार दोपहर थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया। स्कूली बस की टक्कर से ट्रैक्टर- ट्राली पलट गई तो करीब दो दर्जन महिला-पुरूष घायल हो गए। उपचार के दौरान दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि बस सवार सभी विद्यार्थी सकुशल हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रॉली सड़क पर पलट गई और उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद ग्रामीण और अन्य ने घायलों की मदद की। पुलिस ने सभी को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया।

दोपहर को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 24 महिला-पुरुष और बच्चे राजस्थान के भरतपुर जिले के अधेय्या खुर्द गांव से अलीगढ़ स्थित मोनिया हरदपुर गांव में एक शोक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान राया थाना क्षेत्र के विरहना गांव के पास एक स्कूली बस ने ट्राली को टक्कर मार दी, जिससे ट्राली पलट गई और उसमें सवार लोग दब गए। दुर्घटना होते ही चालक बस को छोड़कर भाग निकला, हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस और एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात व्यवस्था बहाल कराई।

पुलिस ने बताया कि हादसे में रजनी और शशि नाम की दो महिलाओं की मौत हो गई। वहीं, प्रताप, नरेंद्र, विक्रम, रंगीला और अनीता समेत करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से एक महिला और एक पुरूष को आगरा एसएन हॉस्पीटल के लिए रैफर किया है।

ट्रैक्टर चालक लक्ष्मण सिंह ने बताया कि ट्रॉली में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे बैठे थे। आरोप है कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रही स्कूली बस ने ट्रॉली में टक्कर मार दी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ओवरटेक करते समय बस की ट्राली में टक्कर से यह हादसा हुआ है।

सीओ महावन संजीव कुमार ने बताया कि हादसे में हादसे में 16 लोग घायल हुए थे, दो महिलाओं की मौत हुई है, घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

अंतरराज्यीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

11 पिस्टल बरामद दो गिरफ्तार

यूनिक समय, आगरा। पुलिस कमिश्नरेट की संयुक्त टीम ने अवैध हथियारों की तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। थाना खेरागढ़ पुलिस, एसओजी पश्चिमी जोन और सर्विलांस सेल की टीम ने राजस्थान के सैपऊ बॉर्डर के समीप गोशाला के सामने पुलिया के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोचा। उनके कब्जे से 11 अवैध .32 बोर पिस्टल, 10 अतिरिक्त मैगजीन, एक महिंद्रा थार, दो मोबाइल फोन, 5,850 रुपये नकद और चार नंबर प्लेट बरामद की गईं, जिनमें से दो के फर्जी होने की आशंका है।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि हथियारों की एक बड़ी खेप क्षेत्र से होकर गुजरने वाली है। सूचना मिलते ही संयुक्त टीम ने संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान एक महिंद्रा थार को रोकने का प्रयास किया गया। वाहन सवारों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हाथरस के शाहबाद थाना क्षेत्र के गांव कंजौली निवासी उदयवीर सिंह और राजस्थान के धौलपुर जिले के निहालगंज थाना क्षेत्र के गौशाला मोहल्ला निवासी यश शर्मा उर्फ अन्नू बताए जाते हैं। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और तस्करी में संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस का मानना है कि आरोपी लंबे समय से एक संगठित नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न राज्यों से हथियार लाकर उत्तर प्रदेश औरआसपास के क्षेत्रों में उनकी आपूर्ति कर रहे थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास, उनके संपर्कों और तस्करी के पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बरामद हथियार कहां से लाए गए थे और इन्हें किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

बरसात में बिजली के खंभों से बढ़ा करंट का खतरा

जलभराव के बीच विद्युत विभाग ने लोगों से बरतने को कहा विशेष एहतियात

करंट आने के बाद सुरक्षा के लिहाज से बिजली खंभे पर लपेटी पालीथिन।

यूनिक समय, मथुरा। मानसून की सक्रियता के साथ ही जनपद में बिजली के खंभों में करंट उतरने का खतरा बढ़ गया है। ऐसे मामले सामने आने लगे हैं। खंभों में करंट की वजह से बेसहारा जानवर असमय मौत के शिकार हो रहे हैं। बारिश और कई इलाकों में जलभराव की स्थिति के बीच विद्युत विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

विभाग का कहना है कि क्षतिग्रस्त तार, अर्थिंग में खराबी या भूमिगत केबल में तकनीकी दोष के कारण बिजली के खंभों में करंट आ सकता है, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

मथुरा शहर के अलावा वृंदावन, गोवर्धन, कोसीकलां, छाता, बलदेव और फरह क्षेत्र के कई इलाकों में बारिश के दौरान सड़कों और गलियों में पानी भर जाता है। ऐसे स्थानों पर लगे बिजली के खंभों के आसपास विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। जलभराव वाले क्षेत्रों में खंभे, स्ट्रीट लाइट पोल और ट्रांसफार्मर के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है।

विद्युत विभाग के अधिकारियों के अनुसार, बरसात के मौसम में बिजली व्यवस्था की नियमित निगरानी की जा रही है। जर्जर तारों, ढीले कनेक्शन और खराब उपकरणों को बदलने का कार्य भी किया जा रहा है। इसके बावजूद यदि किसी खंभे से चिंगारी निकलती दिखाई दे, करंट का संदेह हो या तार टूटकर सड़क पर गिर जाए तो लोग उससे दूर रहें और तुरंत विभाग के नियंत्रण कक्ष या स्थानीय बिजलीघर को सूचना दें।

विद्युत विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की विद्युत संबंधी खराबी को स्वयं ठीक करने का प्रयास न करें। केवल प्रशिक्षित कर्मचारियों को ही इसकी सूचना दें। समय रहते सतर्कता और सावधानी बरतने से बारिश के मौसम में होने वाले विद्युत हादसों को काफी हद तक रोका जा सकता है। प्रशासन और विद्युत विभाग भी संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने और शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने का दावा कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के दौरान नंगे पैर या गीले जूते-चप्पलों के साथ बिजली के खंभों को छूना जानलेवा साबित हो सकता है। बच्चों को भी जलभराव वाले स्थानों पर खेलने से रोकना चाहिए, क्योंकि उन्हें खतरे का अनुमान नहीं होता।

हत्या के प्रयास में वांछित चार आरोपी गिरफ्तार, एक तमंचा बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक अवैध 315 बोर का तमंचा भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, देर रात सनसिटी से देवी आर्ट्स होते हुए नगला रामताल जाने वाले रास्ते पर बंबे की पटरी के पास से धनीराम पुत्र स्व. रामखिलाड़ी, विवेक पुत्र रामबाबू, विशाल पुत्र स्व. टीकम और अमित पुत्र स्व. टीकम, सभी निवासी ग्राम जौनाई, थाना जैत, को गिरफ्तार किया गया। चारों आरोपी पांच जुलाई को गांव में हुए झगड़े के दौरान एक व्यक्ति को गोली लगने से घायल होने के मामले में दर्ज हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित चल रहे थे। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुधीर राठी, उपनिरीक्षक मनोज कुमार और थाना जैत की पुलिस टीम शामिल रही।

संगठन मजबूती पर दिया गया जोर

यूनिक समय, राया। राष्ट्रीय हनुमान दल की बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, संगठन विस्तार सदस्यता अभियान समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार किया गया। अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ नरेंद्र रावत ने कहा कि हनुमान दल अखंड राष्ट्र- हिन्दू राष्ट्र, निर्माण जनसंख्या नियंत्रण, गौरक्षा, धर्म रक्षा, नारी रक्षा, राष्ट्र रक्षा और मानव सेवा के लिये समर्पित है। ब्रज क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विशाल पाराशर ने संगठन मजबूती और हिन्दू समाज को एकजुट करने को लेकर सदस्यता अभियान चलाकर युवाओं को संगठन में जोड़कर जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में ब्रज प्रदेश अध्यक्ष हाथरस मुकेश सारस्वत, जिलाध्यक्ष देवेंद्र चौधरी, युवा जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर सिंह ने विचार व्यक्त किए।

यमुना के बढ़ते जलस्तर से नदी किनारे जाने से बचें

अब दूरी बढ़ी तो नाव बनीं सहारा

पीडब्ल्यूडी ने लोगों को सतर्क करने के लिए लगाया चेतावनी बोर्ड।

यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने के बाद पोंटून पुल हटाया जा रहा है। ऐसे में नाव के माध्यम से यमुना पार जाते लोग।

यूनिक समय, मथुरा। लगातार वर्षा और ऊपरी क्षेत्रों से छोड़े गए पानी के कारण यमुना नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ गया है। बढ़ते जल स्तर को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से यमुना नदी पर बने अस्थायी पोंटून पुल को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुल हटने के बाद स्थानीय लोगों, श्रद्धालुओं और किसानों को नदी पार करने के लिए नावों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

यमुना नदी का जल स्तर बढ़ने के कारण नदी का बहाव अत्यधिक तेज हो गया है। ऐसे में पुल पर आवागमन जारी रखना जोखिम भरा हो सकता था।

प्रशासन ने किसी भी संभावित दुर्घटना से बचने के लिए समय रहते

यमुना नदी से पोंटूल पुल हटाने का काम शुरू, 10 किमी की बढ़ गई दूरी

क्षमता से अधिक यात्री नाव में न बैठें

अधिकृत नावों से ही करें सुरक्षित नदी पार

देवराह बाबा और केसी घाट के मध्यम यमुना नदी पर बने पोंटून पुल को हटाने का निर्णय लिया। अधिकारियों के अनुसार, जब तक नदी का जल स्तर सामान्य नहीं हो जाता, तब तक पुल को दोबारा स्थापित नहीं किया जाएगा।

पुल हटने के बाद नावों के माध्यम से लोगों को एक किनारे से दूसरे किनारे तक पहुंचाया जा रहा है।

गांवों में सीमित संख्या में यात्रियों को बैठाया जा रहा है, ताकि सुरक्षा बनी रहे। हालांकि, इससे लोगों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है और विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों को नदी पार करने में अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं को भी अपने गंतव्य तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लग रहा है। कई लोगों ने प्रशासन से सुरक्षित और वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से नदी के पास न जाएं और केवल अधिकृत नावों का ही उपयोग करें। साथ ही, नाव में क्षमता से अधिक लोगों के बैठने से बचें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वर्षा का सिलसिला जारी रहा या ऊपरी क्षेत्रों से और अधिक पानी छोड़ा गया, तो जल स्तर में और वृद्धि हो सकती है। ऐसे में नागरिकों को सतर्क रहने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

यूनिक समय NEWS

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली-पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

-संपादक

टेलीफोन : 0565-3550761 मोबाइल : 8394983366

सद्गुरुदेव देवरहा बाबा महाराज युगपुरुष थे

ब्रह्मर्षि योगी सम्राट देवरहा बाबा के वार्षिक पुण्य तिथि महोत्सव पर आयोजित संत सम्मेलन के मंच पर विराजमान संत- विद्वान।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मांट। देवरहा बाबा समाधि स्थल पर ब्रह्मर्षि योगी सम्राट देवरहा बाबा का त्रिदिवसीय 36 वां योगिनी एकादशी वार्षिक पुण्य स्मृति महोत्सव प्रारम्भ हो गया है।

महोत्सव का शुभारंभ आश्रम के अध्यक्ष योगीराज देवदास (बड़े सरकार) ने ब्रह्मलीन देवरहा बाबा की प्रतिमा और उनकी समाधि का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पुष्पार्चन करके किया। संत-विद्वत सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हमारे सद्गुरुदेव देवरहा बाबा युगपुरुष थे। देश- समाज के लिए उनके एक नहीं, अपितु अनेक कीर्तिमान हैं। पृथ्वी पर उनका अवतरण लोककल्याण के लिए हुआ था। पीपाद्वाराचार्य बाबा बलरामदास देवाचार्य और घमंड देवाचार्य पीठाधीश्वर स्वामी वेणुगोपाल देवाचार्य म ने कहा कि ब्रह्मलीन संत देवरहा बाबा चमत्कारी संत थे। इसीलिए उनके दर्शन के लिए विभिन्न क्षेत्रों के लोगों का तांता लगा रहता था। महंत बाबा संतदास, डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, महामंडलेश्वर स्वामी परमेश्वर दास त्यागी, महंत स्वामी अभयेश्वर प्रपन्नाचार्य आदि ने विचार व्यक्त किए।

संत-सम्मेलन में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, चतुः सम्प्रदाय के श्रीमहंत फूलडोल बिहारीदास, बेरियावन आश्रम के महंत रामचन्द्र दास (मौनी जी), महंत काशीदास, महंत सीताराम दास चित्रकूट आदि उपस्थित थे। संचालन महंत शिवदत्त प्रपन्नाचार्य ने किया।

जिला अस्पताल में स्थापित फायर सिस्टम को देखते सीएमएस डा . नीरज अग्रवाल आदि।

जिला अस्पताल में फायर सिस्टम का काम अंतिम चरण में

सीएमएस ने किया निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। महर्षि दयानंद सरस्वती जिला अस्पताल में चल रहे फायर सेफ्टी सिस्टम के कार्य का शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल ने निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए निर्माण एजेंसी को काम में तेजी लाने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएमएस ने इमरजेंसी वार्ड, फायर टैंक और अन्य व्यवस्थाओं का भी जानकारी ली। उन्होंने कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों से फोन पर बात कर कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। सीएमएस ने बताया कि अस्पताल में फायर सिस्टम से जुड़ा कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है और अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। यदि किसी मरीज को इलाज या अन्य सेवाओं में कोई परेशानी हो तो वह सीधे सीएमएस कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकता है।

दहेज के लिए बहू को जिंदा जलाने वाले को 10 साल की सजा

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में दहेज हत्या के एक मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए 10 साल के सश्रम कारावास और चार हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला एडीजे-03 न्यायालय ने सुनाया। दोषी बनवारी पुत्र हरिओम, निवासी सतोहा, थाना हाईवे में आरोप था कि उसने दहेज की मांग पूरी न होने पर अपनी पत्नी को आग लगाकर मार डाला। मामले की जांच थाना हाईवे पुलिस ने की। पुलिस ने मजबूत साक्ष्य जुटाकर अदालत में पेश किए। लोक अभियोजक की प्रभावी पैरवी के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत हुई, जिसमें गंभीर मामलों में दोषियों को जल्द सजा दिलाने के लिए पुलिस और अभियोजन विभाग मिलकर काम कर रहे हैं।

केंद्र सरकार ने बदले कफ सिरप और टॉनिक खरीदने के नियम

अब मेडिकल स्टोर से बिना पर्ची नहीं मिलेगी दवा

मेडिकल स्टोर पर बढ़ेगी निगरानी

दवा पर नहीं, गलत इस्तेमाल पर रोक

यूनिक समय, मथुरा। केंद्र सरकार ने खांसी के सीरप में आने वाली दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल वाली पीने की दवाएं डॉक्टर की पर्ची के बिना नहीं खरीदी जा सकेंगी। इसमें कई कफ सिरप और टॉनिक जैसी दवाएं शामिल हो सकती हैं।

सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में बदलाव करते हुए ऐसी दवाओं को 'शेड्यूल एच1' श्रेणी में शामिल किया है, जिनमें 12 प्रतिशत से अधिक अल्कोहल की मात्रा होती है, जो 30

मिलीलीटर से बड़ी बोतल में बेची जाती हैं। इस फैसले का उद्देश्य दवाओं के दुरुपयोग और बिना जरूरत सेवन पर रोक लगाना है।

नए नियमों के बाद मेडिकल स्टोर संचालकों को इन दवाओं की बिक्री का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा। डॉक्टर की पर्ची के आधार पर ही दवा दी जा सकेगी।

साथ ही मरीज का नाम, दवा की मात्रा और डॉक्टर की जानकारी अलग रजिस्टर में दर्ज करनी होगी। इन रिकॉर्ड्स को कम से कम तीन साल तक सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा।

सरकार का यह फैसला दवाओं को प्रतिबंधित करने के लिए नहीं है। अगर डॉक्टर किसी मरीज को ऐसी दवा लिखते हैं, तो वह सामान्य प्रक्रिया के तहत मेडिकल स्टोर से मिल सकेगी। केवल बिना सलाह के खरीद और बिक्री पर नियंत्रण लगाया गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कई दवाओं में एथिल अल्कोहल का इस्तेमाल सॉल्वेंट या प्रिजर्वेटिव के रूप में किया जाता है, जो दवा को सुरक्षित रखने में मदद करता है। लेकिन ज्यादा मात्रा में या गलत तरीके से सेवन करने पर यह बच्चों, बुजुर्गों और लिवर से जुड़ी समस्या वाले लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

'शेड्यूल एच-1' का उद्देश्य ऐसी दवाओं की निगरानी बढ़ाना है, जिनके दुरुपयोग की संभावना अधिक होती है। इससे यह पता लगाना आसान होगा कि कौन सी दवा कहां और किसे बेची गई। सरकार का मानना है कि इस कदम से दवाओं की बिक्री में पारदर्शिता बढ़ेगी और लोगों को सुरक्षित इलाज उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

नशे को करते हैं इस्तेमाल

दवा कारोबार से जुड़े जानकारों ने बताया कि खांसी के कई सीरप साइलेंट नशा का काम करते हैं। ऐसे सीरप को शिक्षित लोग अधिक इस्तेमाल करते हैं। एक सीरप से चार घंटे तक शरीर को नशे के स्तर पर रखा जा सकता है। सरकार ने यह कदम बीते सालों में कफ सीरप की अप्रत्याशित बिक्री के बाद उठाया है। अब हर कफ सीरप का हिसाब रखना अनिवार्य होगा।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए में आईआईटी के विशेषज्ञ ने दिए नवाचार और स्टार्टअप के गुर

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के स्पार्कल टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) के तत्वावधान में नवाचार मंत्रा अवेयरनेस सेशन का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एफआईटीटी–आईआईटी दिल्ली के प्रबंधक अनमोल चतुर्वेदी ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों, शोधार्थियों और फैकल्टी सदस्यों को नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता से जुड़े नवीन अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नवाचार आधारित स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए सही मार्गदर्शन, उद्योग जगत से जुड़ाव और निवेश तक पहुंच बेहद महत्वपूर्ण है।

जीएलए विश्वविद्यालय में आईआईटी विशेषज्ञ के साथ जीएलए टीबीआई के पदाधिकारी एवं छात्र-छात्राएं।

शुभारंभ स्पार्कल टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर के वरिष्ठ प्रबंधक आदित्य सरीन द्वारा अनमोल चतुर्वेदी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने के साथ हुआ। अनमोल चतुर्वेदी ने आईआईटी दिल्ली के नवाचार और उद्यमिता इकोसिस्टम की जानकारी साझा करते हुए श्नवाचार मंत्राश् कार्यक्रम के उद्देश्य, लाभ और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस पहल के माध्यम से प्रतिभागियों को देश के प्रमुख स्टार्टअप इकोसिस्टम पार्टनर्स, निवेशकों एवं फंडिंग एजेंसियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे नवाचारकर्ताओं और स्टार्टअप संस्थापकों को वित्तीय सहायता, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, उद्योग जगत से नेटवर्किंग, अपने विचारों को व्यावसायिक रूप देने में सहयोग प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि चयनित प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा (आईपी), कानूनी परामर्श, व्यवसायिक रणनीति, फंडरेजिंग, क्षमता निर्माण, आईआईटी दिल्ली के नवाचार इकोसिस्टम से जुड़ने, उद्योग-सरकारी प्रतिनिधियों के समक्ष अपने स्टार्टअप आइडिया प्रस्तुत करने जैसे महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान जीएलए विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. अनूप कुमार गुप्ता (चीफ पैट्रन, जीएलए इकोसिस्टम) और प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस डॉ. प्रमोद जोशी (चीफ पैट्रन, ई–सेल) ने अनमोल चतुर्वेदी से भेंट कर नवाचार मंत्रा योजना, स्टार्टअप इकोसिस्टम, स्पार्कल टीबीआई और ई–सेल की भावी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की।

समापन पर न्यूजन आईईडीसी के समन्वयक जितेन्द्र शर्मा ने विद्यार्थियों को नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, अनमोल चतुर्वेदी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

स्पार्कल टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर के प्रबंधक दीपक शर्मा ने बताया कि श्नवाचार मंत्राश् कार्यक्रम नवाचारकर्ताओं औरस्टार्टअप संस्थापकों को उद्योग- सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान करता है, जिससे उन्हें सहयोग, निवेश और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त करने की संभावनाएं बढ़ती हैं। कार्यक्रम में लगभग 270 प्रतिभागियों, जिनमें 20 फैकल्टी सदस्य भी शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में स्पार्कल टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर की पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विशेष रूप से सौरभ तिवारी, दीपांश गोयल और राहुल अरोरा ने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। संचालन तान्या उपाध्याय ने किया, जबकि स्टूडेंट्स कोऑर्डिनेटर आदित्य यादव, प्रियांशु सनातनी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

अंग्रेजी मीडियम के विद्यार्थियों को मिलेगी सस्ती एनसीईआरटी पुस्तकें

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने अंग्रेजी मीडियम से पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बड़ी राहत देने की तैयारी की है। शैक्षिक सत्र 2027–28 से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के छात्रों को हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी माध्यम में भी एनसीईआरटी और परिषद द्वारा विकसित पाठ्यपुस्तकें किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इस नई व्यवस्था से जिले के अंग्रेजी माध्यम के हजारों विद्यार्थियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। वर्तमान में परिषद की अधिकांश पुस्तकें केवल हिंदी माध्यम में उपलब्ध हैं। ऐसे में अंग्रेजी माध्यम से उपलब्ध हो सकेगी।

शैक्षिक सत्र 2027–28 से यूपी बोर्ड की नई व्यवस्था

जनपद के भी हजारों विद्यार्थियों को भी होगा सीधा लाभ

माध्यमिक शिक्षा परिषद के अनुसार, हाईस्कूल (कक्षा 9 और10) के अंग्रेजी, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान सहित इंटरमीडिएट (कक्षा 11 और 12) के अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित समेत कुल 36 विषयों की 70 एनसीईआरटी आधारित और 12 परिषद विकसित पाठ्यपुस्तकों का अंग्रेजी माध्यम में प्रकाशन किया जाएगा। विद्यार्थियों तक पुस्तकें समय पर पहुंचाने के लिए परिषद निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार पुस्तक विक्रेताओं और संस्थाओं को डीलरशिप भी प्रदान करेगी। इससे पुस्तकों के वितरण की व्यवस्था और अधिक सुचारु होने की उम्मीद है।

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2027–28 से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट स्तर के विभिन्न विषयों की एनसीईआरटी और परिषद द्वारा विकसित पाठ्यपुस्तकें हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी माध्यम में भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों को सस्ती, प्रमाणिक और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध होगी और उनकी आर्थिक परेशानी भी कम होगी।

स्कूलों में ऑनलाइन हाजिरी नहीं लगाई तो होगी कार्रवाई

डीआईओएस का सख्त आदेश

हर दिन छात्रों और स्टाफ की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना जरूरी

यूनिक समय, मथुरा। जिले के सभी राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के लिए ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करना अब पूरी तरह अनिवार्य कर दिया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह ने सभी प्रधानाचार्यों को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज की समीक्षा में सामने आया है कि कई विद्यालय रोजाना ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे हैं। इसे गंभीर लापरवाही माना जाएगा। परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध पोर्टल और मोबाइल ऐप के जरिए छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति आसानी से दर्ज की जा सकती है। डीआईओएस ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि कोई वित्तविहीन विद्यालय बिना पढ़ाई कराए छात्रों का पंजीकरण करता मिला, तो उसकी मान्यता रद करने की कार्रवाई होगी। वहीं, जिन राजकीय और सहायता प्राप्त विद्यालयों में नियमित ऑनलाइन हाजिरी दर्ज नहीं होगी, वहां के शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन भी अगले आदेश तक रोका जा सकता है। सभी प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि हर कार्यदिवस के पहले पीरियड में छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करें। नियमों की अनदेखी करने वाले विद्यालयों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी रोकने में सहयोग करें सीएसची संचालक

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी के निर्देश पर शुक्रवार को थाना सुरीर में साइबर अपराधों की रोकथाम को लेकर जन सेवा केंद्र (सीएससी) संचालकों की बैठक आयोजित की गई। नवागत थाना प्रभारी अरुण कुमार ने कहा कि जन सेवा केंद्र संचालक आम नागरिकों और डिजिटल सेवाओं के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ऐसे में उन्हें आधार कार्ड, बैंकिंग सेवाओं और अन्य ऑनलाइन कार्यों के दौरान पूरी सतर्कता बरतनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक वित्तीय लेनदेन निर्धारित नियमों के अनुसार किया जाए, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दी जाए। उन्होंने साइबर ठगी से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया। बैठक में बबलू बघेल, अंकित कुमार, सोनू चौधरी, राजेंद्र कुमार, पंकज कुमार, राजेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, अशोक कुमार, अमित कुमार, जितेंद्र दीक्षित और क्षेत्र के अन्य संचालक मौजूद रहे।

वृद्धावस्था पेंशन की जाए पांच हजार रुपये मासिक

भाकियू ने उठाई किसानों और बुजुर्गों की बड़ी मांगें

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को भाकियू अम्बावता ने राष्ट्रपति के नाम डीएम को ज्ञापन सौंपा, जिसमें समूचे देश में वृद्धों के लिए वृद्धावस्था पेंशन की राशि पांच हजार रुपये मासिक करने की बात को प्रमुखता से उठाया गया है।

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने के बाद संगठन के जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा है कि किसान इन दिनों खेती-किसानी की समस्याओं से परेशान है,

इसलिए देश के सभी किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी दी जाए। पूरे देश में शिक्षा- चिकित्सा की व्यवस्था किसान- मजदूर और गरीब लोगों को निःशुल्क दी जाए। किसानों का कृषि ऋण माफ किया जाए, भारत सरकार और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील को वापस लिया जाए।

इस मौके पर जिला महासचिव गिरीश कुमार, मुरारी लाल शर्मा, रघुराज सिंह, दीपू शर्मा, जगदीश निषाद अध्यक्ष मांट, नरेंद्र सिंह, हरीशंकर, मुकेश, कपिल शर्मा, करूआ खान, सुरेंद्र शर्मा भारद्वाज, कृष्णकांत भारद्वाज, मयंक भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

16 और 17 जुलाई को होगी हाईस्कूल इंटर की कम्पार्टमेंट प्रैक्टिकल परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देश पर वर्ष 2026 की हाईस्कूल इम्प्रूवमेंट/कम्पार्टमेंट और इंटरमीडिएट कम्पार्टमेंट की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 16 और 17 जुलाई को कराई जाएंगी। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि सभी प्रैक्टिकल परीक्षाएं किशोरी रमण इंटर कॉलेज, मथुरा में सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक होंगी। जिन छात्र–छात्राओं ने ऑनलाइन आवेदन किया है, वे अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य से संपर्क कर तय तारीख पर परीक्षा में शामिल हों। इंटरमीडिएट की प्रैक्टिकल परीक्षा सीसीटीवी कैमरों और वॉयस रिकॉर्डर की निगरानी में होगी। सभी विषयों के परीक्षक नियुक्त कर दिए गए हैं। अतिरिक्त कृषि और अन्य एकांकी विषयों के परीक्षकों की नियुक्ति जिला स्तर पर की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए हैं कि हाईस्कूल के आंतरिक मूल्यांकन के अंक और इंटरमीडिएट प्रैक्टिकल परीक्षा के अंक 20 जुलाई तक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में हर हाल में जमा करा दें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

जिला पंचायत अध्यक्षों और ब्लॉक प्रमुखों का बढ़ सकता है कार्यकाल

प्रदेश सरकार जारी कर सकती है आदेश आधिकारिक अधिसूचना का इंतजार

यूनिक समय, मथुरा। जिला पंचायत अध्यक्षों और ब्लॉक प्रमुखों के कार्यकाल को लेकर बड़ा प्रशासनिक निर्णय जल्द सामने आ सकता है। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश सरकार दोनों जनप्रतिनिधि पदों का कार्यकाल बढ़ाने की तैयारी में है। इस संबंध में आदेश आज जारी होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

ग्राम पंचायतों के प्रधानों के बाद अब वर्तमान में जिला पंचायत अध्यक्षों और क्षेत्र पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल समाप्ति की ओर है। ऐसे में कार्यकाल बढ़ाने को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि सरकार जिला पंचायत अध्यक्षों के साथ–साथ ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल भी एक साथ बढ़ाने पर विचार कर रही है, ताकि पंचायत व्यवस्था में प्रशासनिक निरंतरता बनी रहे।

यदि शासन की ओर से आदेश जारी होता है तो इसका प्रभाव मथुरा समेत प्रदेश के सभी जिलों पर पड़ेगा। मथुरा जिला पंचायत और जिले के 10 विकास खंडों के ब्लॉक प्रमुख भी इस निर्णय के दायरे में आएंगे। इससे पंचायत स्तर पर चल रहे विकास कार्यों में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं आएगा और नई निर्वाचन प्रक्रिया तक वर्तमान व्यवस्था जारी रह सकेगी।

सूत्रों का कहना है कि कार्यकाल विस्तार की अवधि और उससे जुड़ी अन्य शर्तें आदेश जारी होने के बाद ही स्पष्ट होंगी। फिलहाल सभी की निगाहें शासन के फैसले पर टिकी हुई हैं। पंचायत प्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों में भी इस निर्णय को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

हालांकि, जब तक शासन की ओर से औपचारिक अधिसूचना जारी नहीं होती, तब तक कार्यकाल विस्तार को लेकर किसी भी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं मानी जाएगी। आदेश जारी होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी और आगे की प्रशासनिक प्रक्रिया तय की जाएगी।

पॉकेट मनी से विकसित करें बचत की आदत

बच्चों को ऐसे सिखाएं पैसे की अहमियत

यूनिक समय, मथुरा। आज के समय में बच्चों की इच्छाएं तेजी से बढ़ रही हैं। दोस्तों के पास नए कपड़े, महंगे खिलौने, गैजेट्स या ब्रांडेड सामान देखकर कई बच्चे भी वैसी ही चीजों की मांग करने लगते हैं। खासकर 8 से 10 साल की उम्र में बच्चों को यह समझना मुश्किल होता है कि पैसा कैसे कमाया जाता है और हर इच्छा तुरंत पूरी नहीं की जा सकती। माता–पिता के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है कि बच्चे को बिना डांटे और बिना डराए पैसों की अहमियत कैसे समझाई जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, यही उम्र बच्चों को बचत, बजट और जिम्मेदारी की सीख देने के लिए सबसे बेहतर होती है। बच्चों को क्यों नहीं समझ आती पैसों की वैल्यू? बच्चे अक्सर यह नहीं समझ पाते कि हर रुपये के पीछे माता–पिता की मेहनत और समय जुड़ा होता है। उनकी नजर में पैसा सिर्फ पसंद की चीज खरीदने का माध्यम होता है। क्योंकि उनकी ज्यादातर जरूरतें माता–पिता पूरी करते हैं, इसलिए उन्हें खर्च की वास्तविकता का अनुभव नहीं हो पाता। इसके अलावा बच्चे अपने दोस्तों और आसपास के माहौल से भी प्रभावित होते हैं। किसी दोस्त के पास नया वीडियो गेम, महंगे जूते या नया बैग देखकर उन्हें भी लगता है कि उनके पास वही चीज होनी चाहिए। बच्चों को

जरूरत और इच्छा का फर्क समझाएं बच्चों को

पैसे की समझ देने के लिए सबसे पहले उन्हें जरूरत और इच्छा के बीच अंतर बताना जरूरी है। माता–पिता बच्चे के साथ बैठकर दो सूची बना सकते हैं– जरूरत और इच्छा। उदाहरण के तौर पर खाने–पीने की चीजें, स्कूल की जरूरी वस्तुएं जरूरत हो सकती हैं, जबकि नया खिलौना या सिर्फ पसंद के लिए खरीदी जाने वाली चीजें इच्छा में आती हैं। जब भी बच्चा कोई नई चीज मांगे, तो उससे पूछें कि यह वास्तव में जरूरी है या सिर्फ पसंद के कारण चाहिए। इससे उसमें सोच–समझकर फैसला लेने की आदत विकसित होगी।

बच्चों को सीमित पॉकेट मनी देना भी पैसों की समझ विकसित करने का अच्छा तरीका है। उन्हें बताएं कि पैसे का कुछ हिस्सा खर्च करना है और कुछ हिस्सा बचाना है।

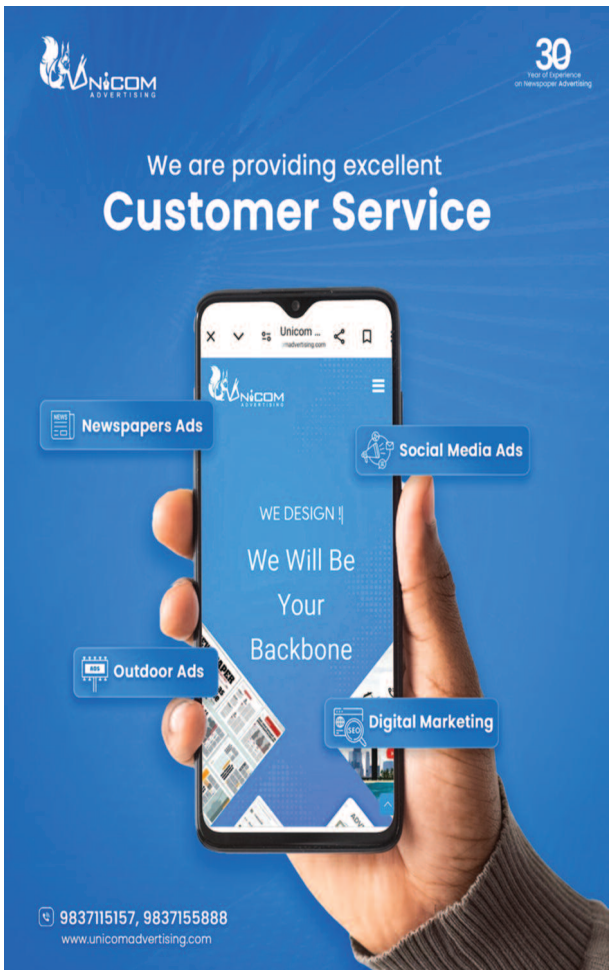

इस ट्रेन में बैठते ही मिलेगा हॉगवर्ट्स एक्सप्रेस जैसा एहसास

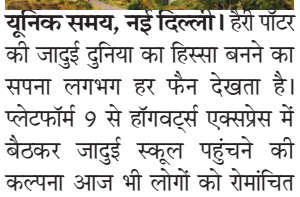

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैरी पॉटर की जादुई दुनिया का हिस्सा बनने का सपना लगभग हर फैन देखता है। प्लेटफॉर्म 9 से हॉगवर्ट्स एक्सप्रेस में बैठकर जादुई स्कूल पहुंचने की कल्पना आज भी लोगों को रोमांचित कर देती है। हालांकि असल जिंदगी में ऐसा स्कूल या प्लेटफॉर्म मौजूद नहीं है, लेकिन एक ऐसी ट्रेन जरूर है जो आपको बिल्कुल हॉगवर्ट्स एक्सप्रेस जैसा अनुभव देती है।

स्कॉटलैंड में चलने वाली जैकोबाइट स्टीम ट्रेन को दुनिया भर के हैरी पॉटर प्रशंसक असली हॉगवर्ट्स एक्सप्रेस के रूप में जानते हैं। यह ट्रेन हर साल अप्रैल से अक्टूबर के बीच फोर्ट विलियम स्टेशन से मल्लैग तक चलती है। इसी ट्रेन और इसके शानदार मार्ग का

ट्रेन अप्रैल से अक्टूबर के बीच फोर्ट विलियम से चलती है।

इस्तेमाल हैरी पॉटर फिल्मों में हॉगवर्ट्स एक्सप्रेस के दृश्यों के लिए किया गया था। सफर के दौरान ट्रेन मशहूर ग्लेनफिनन वायाडक्ट पुल से गुजरती है, जिसे फिल्मों में देखकर फैंस रोमांचित हो जाते हैं। यही नहीं, नॉर्थ यॉर्कशायर मूर रेलवे भी हैरी पॉटर प्रेमियों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस रूट का गोथलैंड स्टेशन फिल्मों में हॉग्समीड स्टेशन के रूप में दिखाया गया था। यहां पहुंचकर फैंस खुद को जादुई दुनिया के बेहद करीब महसूस करते हैं। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में भी समय–समय पर हॉगवर्ट्स एक्सप्रेस थीम ट्रेन चलाई जाती है, जहां हैरी पॉटर थीम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ट्रेन की सजावट, स्टाफ की वेशभूषा और माहौल पूरी तरह फिल्मों जैसा बनाया जाता है।

मानसून में बालों को रखें मजबूत और स्वस्थ

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून के मौसम में बढ़ी हुई नमी, पसीना और बारिश का पानी बालों को कमजोर बना सकता है। ऐसे में हेयर फॉल और बाल टूटने की समस्या बढ़ जाती है। हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के मुताबिक, बारिश में भीगने के बाद बालों को लंबे समय तक गीला न रखें। घर पहुंचते ही साफ पानी से बाल धोकर अच्छी तरह सुखाएं। गीले बालों में कंघी करने से बचें, क्योंकि इससे बाल ज्यादा टूट सकते हैं।

सप्ताह में दो से तीन बार माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें और स्कैल्प को साफ रखें।

हल्के हाथों से नारियल या बादाम के तेल की मालिश करने से जड़ों को मजबूती मिलती है। इसके साथ ही प्रोटीन, आयरन और विटामिन से भरपूर संतुलित आहार लें और पर्याप्त पानी पिएं। जरूरत से ज्यादा हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स और हीट टूल्स का इस्तेमाल कम करें। इन आसान उपायों को अपनाकर मानसून में बालों को स्वस्थ, मजबूत और चमकदार बनाए रखा जा सकता है।

सुबह के नाश्ते में ट्राई करें मसाला ब्रेड पोहा

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुबह की व्यस्त दिनचर्या में अक्सर यह समझ नहीं आता कि नाश्ते में ऐसा क्या बनाया जाए जो जल्दी तैयार हो, स्वादिष्ट भी हो और सभी को पसंद भी आए। ऐसे में मसाला ब्रेड पोहा एक बेहतरीन विकल्प है। यह रेसिपी न केवल 10 से 15 मिनट में तैयार हो जाती है, बल्कि घर में बची हुई ब्रेड का बेहतरीन उपयोग भी हो जाता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई इसका स्वाद पसंद करता है।

मसाला ब्रेड पोहा बनाने के लिए 5 से 6 ब्रेड स्लाइस को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। चाहें तो इन्हें हल्का सा तवे पर सेंक लें, जिससे ब्रेड कुरकुरी हो जाए। अब एक कड़ाही में दो चम्मच तेल या घी गर्म करें। इसमें राई, करी पत्ता और बारीक कटी हरी मिर्च डालें। राई चटकने लगे तो बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद कटे हुए टमाटर डालें और नरम होने तक पकाएं।

अब हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर मसालों को अच्छी तरह भून लें।

इसमें भुनी हुई मूंगफली मिलाएं और फिर ब्रेड के टुकड़े डालकर हल्के हाथों से चलाएं, ताकि मसाला अच्छी तरह ब्रेड पर चढ़ जाए। धीमी आंच पर दो से तीन मिनट पकाने के बाद ऊपर से चाट मसाला, नींबू का रस और बारीक

कम समय में तैयार होगा लाजवाब नाश्ता

कटा हरा धनिया डालें। अगर आप इसे और पौष्टिक बनाना चाहते हैं तो इसमें शिमला मिर्च, मटर, स्वीट कॉर्न या कद्दूकस की हुई गाजर भी मिला सकते हैं। इससे स्वाद के साथ पोषण भी बढ़ जाएगा।

चाहें तो ऊपर से थोड़ा कद्दूकस किया हुआ पनीर डालकर इसे बच्चों के लिए और भी खास बनाया जा सकता है। मसाला ब्रेड पोहा स्वादिष्ट होने के साथ–साथ ऊर्जा देने वाला नाश्ता भी है। इसमें ब्रेड से कार्बोहाइड्रेट, मूंगफली से प्रोटीन और सब्जियों से विटामिन व फाइबर मिलते हैं।

बारिश के मौसम में गर्मागर्म चाय के साथ इसका स्वाद दोगुना हो जाता है। कम समय में तैयार होने वाली यह आसान रेसिपी उन लोगों के लिए बेहतरीन है, जो स्वाद और सेहत दोनों का ध्यान रखते हुए झटपट नाश्ता बनाना चाहते हैं।

भारत में व्हाट्सएप यूजरनेम फीचर पर फिलहाल ब्रेक

यूनिक समय, नई दिल्ली। व्हाट्सऐप का बहुप्रतीक्षित यूजरनेम फीचर अभी भारतीय यूजर्स तक नहीं पहुंचेगा। केंद्र सरकार ने मेटा को निर्देश दिया है कि जब तक इस फीचर से जुड़े सभी सुरक्षा पहलुओं पर परामर्श प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक इसे भारत में लॉन्च न किया जाए। सरकार को आशंका है कि इस सुविधा का गलत इस्तेमाल साइबर अपराधी कर सकते हैं, जिससे डिजिटल फ्रॉड और फर्जी पहचान से जुड़े मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। यह फीचर आने के बाद यूजर्स मोबाइल नंबर साझा किए बिना केवल यूजरनेम के जरिए एक–दूसरे से जुड़ सकेंगे।

ठीक उसी तरह, जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यूजर आईडी के माध्यम से संपर्क किया जाता है। व्हाट्सऐप का दावा है कि इससे यूजर्स की प्राइवेसी पहले से

अधिक मजबूत होगी और ग्रुप में शामिल लोगों के मोबाइल नंबर भी सुरक्षित रहेंगे। हालांकि, सरकार ने मेटा से पूछा है कि यदि कोई व्यक्ति किसी दूसरे के नाम से फर्जी यूजरनेम बनाकर लोगों को ठगने की कोशिश करता है, तो उसे रोकने के लिए कंपनी के पास क्या सुरक्षा व्यवस्था होगी।

इसी वजह से मेटा से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा गया था। मेटा ने अपने जवाब में कहा है कि प्लेटफॉर्म पर इम्पर्सनेशन (फर्जी पहचान) रोकने के लिए कई एडवांस सिक्योरिटी सिस्टम तैयार किए गए हैं। इसके अलावा संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी, नए संपर्कों की सीमा तय करना और सरकारी संस्थानों व प्रसिद्ध हस्तियों के यूजरनेम सुरक्षित रखने जैसे कदम भी उठाए गए हैं।

फिलहाल सरकार मेटा के जवाब का

सरकार ने मेटा से फीचर पर मांगा है विस्तृत स्पष्टीकरण

भारत में फिलहाल व्हाट्सएप का यूजरनेम फीचर नहीं होगा लॉन्च

परीक्षण कर रही है। जब तक सभी तकनीकी और सुरक्षा पहलुओं पर संतोषजनक निष्कर्ष नहीं निकलता, तब तक भारत में व्हाट्सऐप का यूजरनेम फीचर लॉन्च नहीं किया जाएगा। ऐसे में करोड़ों भारतीय यूजर्स को इस नए फीचर के लिए अभी कुछ और समय इंतजार करना होगा। सरकार का कहना है कि डिजिटल सुरक्षा और नागरिकों की गोपनीयता किसी भी नई तकनीक से अधिक महत्वपूर्ण है।

चुकंदर खाने से पहले जान लें जरूरी बात

यूनिक समय, नई दिल्ली। चुकंदर को आयरन, फोलेट और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन क्या किडनी के मरीज इसे बेझिझक खा सकते हैं? इसका जवाब हर मरीज के लिए एक जैसा नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, जिन लोगों को कैल्शियम ऑक्सालेट किडनी स्टोन बनने की समस्या है, उन्हें चुकंदर का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए, क्योंकि इसमें ऑक्सालेट की मात्रा अधिक होती है। हालांकि, अगर किसी व्यक्ति को किडनी स्टोन की यह समस्या नहीं है, तो डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह के अनुसार सीमित मात्रा में चुकंदर खाया जा सकता है। बिना चिकित्सकीय सलाह के अपनी डाइट में बदलाव करना सही नहीं माना जाता। विशेषज्ञ बताते हैं कि किडनी मरीजों को ज्यादा नमक, प्रोसेस्ड फूड, पैकेज्ड स्नैक्स और अधिक चीनी वाले पेय पदार्थों से दूरी बनानी चाहिए। वहीं, ताजे फल, कम ऑक्सालेट वाली सब्जियां, साबुत अनाज और संतुलित मात्रा में प्रोटीन का सेवन फायदेमंद हो सकता है। यदि डॉक्टर ने पानी पीने पर कोई रोक नहीं लगाई है,

सुविचार

कुछ ख्वाब उम्रभर साथ चलते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	05:22-02:04 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रोहिणी	11:03-08:29 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:36 AM	चन्द्रोदय	01:49 AM
सूर्यास्त		7:13 PM	चंद्रास्त	04:20 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:57AM -12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		09:00 AM: 10:42 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। नए अवसरों पर ध्यान देना लाभदायक रहेगा।

वृषभ: आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। रिश्तों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन: नए विचार सफलता दिला सकते हैं। बातचीत में संयम रखें। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। यात्रा संभव है।

कर्क: परिवार के साथ समय बिताएंगे। भावनात्मक फैसलों में सावधानी रखें। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

सिंह: आत्मविश्वास से कार्य पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी।

कन्या: योजनाओं को पूरा करने का अच्छा समय है। मेहनत सफल होगी। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा।

तुला: आज भाग्य का साथ मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक: धैर्य से काम लें। नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

धनु: नई योजनाएं लाभदायक रहेंगी। परिवार में खुशियां आएंगी। निवेश से पहले सोच-विचार करना बेहतर होगा।

मकर: मेहनत का फल मिलेगा। करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। नए संपर्क भविष्य में लाभ देंगे।

मीन: मन शांत रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक सोच बनाए रखें।

इंसान की मृत्यु से पांच मिनट पहले दिखते हैं जीवन के कर्म?

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म में गरुड़ पुराण को 18 महापुराणों में विशेष स्थान प्राप्त है। इस ग्रंथ में जीवन, मृत्यु, आत्मा, कर्म और मृत्यु के बाद की यात्रा से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों का उल्लेख मिलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मृत्यु केवल शरीर का अंत नहीं बल्कि आत्मा की एक नई यात्रा की शुरुआत मानी जाती है।

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि जब किसी व्यक्ति की मृत्यु का समय निकट आता है, तब उसके शरीर और

गरुड़ पुराण में मिलता है रोचक वर्णन

अंतिम क्षणों में खुलता है कर्मों का लेखा-जोखा

इंद्रियों में धीरे-धीरे परिवर्तन होने लगते हैं। मान्यता है कि अंतिम समय में व्यक्ति एक विशेष आध्यात्मिक अवस्था का अनुभव कर सकता है, जिसे दिव्य दृष्टि से जोड़ा जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मृत्यु से कुछ समय पहले व्यक्ति को अपने जीवन की कई घटनाएं याद आने लगती हैं। कहा जाता है कि उसके अच्छे और बुरे कर्मों की छवि मन में उभर सकती है। व्यक्ति अपने पूरे जीवन के अनुभवों को जैसे दोबारा महसूस करता है।

गरुड़ पुराण में यह भी वर्णन मिलता है कि अंतिम क्षणों में शरीर की शक्ति कमजोर पड़ने लगती है। व्यक्ति बोलना चाहता है, लेकिन कई बार उसकी वाणी उसका साथ नहीं देती। वह अंदर ही अंदर कई तरह की अनुभूतियों से गुजरता है।

गरुड़ पुराण की कथाओं में कर्मों के आधार पर आत्मा की आगे की यात्रा का वर्णन किया गया है। मान्यता है कि पुण्य कर्म करने वाले व्यक्ति को शांति और प्रकाश जैसी अनुभूति होती है, जबकि गलत कर्मों से जुड़े व्यक्ति को भय और अशांति का सामना करना पड़ सकता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इस ग्रंथ में यमलोक, वैतरणी नदी और कर्मों के अनुसार मिलने वाले फल का भी उल्लेख मिलता है। धार्मिक दृष्टि से इसे आत्मा के कर्मों का परिणाम माना गया है। हालांकि गरुड़ पुराण में वर्णित ये बातें धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं। विज्ञान ने इन अनुभवों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन हिंदू परंपरा में यह ग्रंथ जीवन और मृत्यु के रहस्यों को समझाने वाला महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है।

क्या भाग्य लिखता है जीवन या कर्म बदलते हैं?

कथा बताएगी भाग्य और कर्म का सच

यूनिक समय, मथुरा। अक्सर इंसान के मन में यह सवाल उठता है कि जीवन में मिलने वाली सफलता, असफलता और परिस्थितियां पहले से तय होती हैं या फिर हमारे कर्म ही हमारी किस्मत को बदलने की क्षमता रखते हैं। भारतीय दर्शन में इसे कर्म और भाग्य के बीच का संबंध माना गया है। कई धार्मिक ग्रंथों और कथाओं में बताया गया है कि भाग्य के साथ कर्मों का भी विशेष महत्व होता है।

एक बार एक शिष्य ने अपने गुरु से पूछा, "गुरुदेव, अगर जीवन में सब कुछ भाग्य में पहले से लिखा है, तो फिर मेहनत करने की आवश्यकता क्या है? जो मिलना होगा, वह अपने आप मिल जाएगा।"

गुरु ने शिष्य को एक टोकरी दी और कहा कि वह पास के तालाब से इसमें पानी भरकर लेकर आए। शिष्य ने देखा कि टोकरी में कई बड़े-बड़े छेद थे। उसने पानी भरने की कोशिश की, लेकिन पानी तुरंत बाहर निकल गया।

गुरु और शिष्य की अनोखी सीख

कर्म से बदलती है जीवन की दिशा

कई प्रयासों के बाद भी जब सफलता नहीं मिली तो वह निराश होकर गुरु के पास लौट आया। गुरु ने उसे दोबारा प्रयास करने को कहा। शिष्य ने फिर कोशिश की, लेकिन परिणाम वही रहा। इसके बाद गुरु ने कहा कि इस बार पूरी लगन और तेजी के साथ पानी लेकर आना। शिष्य ने वैसा ही किया। इस बार टोकरी में पानी तो नहीं रुका, लेकिन कुछ बूंदें उसके साथ गुरु तक पहुंच गईं।

गुरु ने समझाया कि छेद वाली टोकरी इंसान के पुराने कर्मों और परिस्थितियों का प्रतीक है, जबकि पानी जीवन में मिलने वाले अवसरों को दर्शाता है। केवल भाग्य के भरोसे बैठने से सफलता नहीं मिलती। लगातार प्रयास और मेहनत से कठिन परिस्थितियों में भी रास्ते निकाले जा सकते हैं।

यह कथा संदेश देती है कि भाग्य अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन वर्तमान कर्म इंसान की पहचान और भविष्य की दिशा तय करते हैं। जो व्यक्ति मेहनत, धैर्य और विश्वास के साथ आगे बढ़ता है, वह मुश्किल हालात में भी सफलता हासिल कर सकता है।

इसलिए जीवन में केवल भाग्य की चिंता करने के बजाय अपने कर्मों पर ध्यान देना चाहिए। सही प्रयास और सकारात्मक सोच से इंसान अपने जीवन को बेहतर बना सकता है।

चाणक्य की यह बातें बदल सकती हैं जीवन की दिशा

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य की नीतियां आज भी जीवन में सफलता, सम्मान और समृद्धि का मार्ग दिखाती हैं। चाणक्य नीति में ऐसी कई बातें बताई गई हैं, जो व्यक्ति को आर्थिक मजबूती और बेहतर जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं।

चाणक्य के अनुसार, घर में हमेशा समझदार और अच्छे लोगों का सम्मान करना चाहिए। गलत संगति व्यक्ति के विचारों और व्यवहार को प्रभावित कर सकती है, जबकि अच्छे लोगों का साथ ज्ञान और सफलता की राह खोलता है।

चाणक्य ने भोजन और अन्न के सम्मान को भी विशेष महत्व दिया है। उनका मानना था कि जिस घर में भोजन का आदर किया जाता है और अन्न की बर्बादी नहीं होती, वहां सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

इसके अलावा परिवार में प्रेम और शांति का होना भी जरूरी बताया गया है। पति-पत्नी के बीच आपसी सम्मान

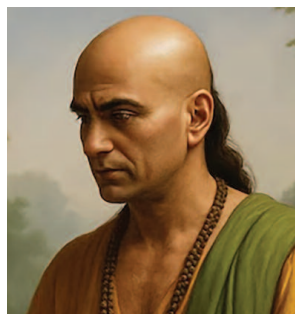

सुख-समृद्धि के लिए अपनाएं ये नियम

और सहयोग से घर का माहौल बेहतर होता है। लगातार विवाद और तनाव से परिवार की खुशियां प्रभावित हो सकती हैं।

चाणक्य की ये तीन सीख हमें बताती हैं कि धन और सफलता केवल मेहनत से नहीं, बल्कि अच्छे व्यवहार, सही सोच और सकारात्मक वातावरण से भी जुड़ी होती है।

चार महीने पाताल में क्यों रहते हैं भगवान विष्णु?

यूनिक समय, मथुरा। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से चातुर्मास का शुभारंभ होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसी कारण इस अवधि में विवाह, गृहप्रवेश और अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इन चार महीनों में भगवान विष्णु कहां निवास करते हैं और उनकी योगनिद्रा कब समाप्त होती है? इसके पीछे एक अत्यंत रोचक पौराणिक कथा प्रचलित है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु वामन अवतार में राजा बलि से तीन पग भूमि मांगकर तीनों

लोकों पर अधिकार प्राप्त कर लेते हैं। राजा बलि की भक्ति और दानशीलता से प्रसन्न होकर श्रीहरि उन्हें पाताल लोक का स्वामी बना देते हैं। उस समय राजा बलि भगवान विष्णु से एक वरदान मांगते हैं कि वे प्रतिदिन उनके दर्शन कर सकें और भगवान उनकी रक्षा करें। राजा बलि की भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु उनका आग्रह स्वीकार करते हैं। मान्यता है कि तभी से देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु वैकुंठ से पाताल लोक जाकर

राजा बलि को दिया विष्णु ने विशेष वरदान

विष्णु भगवान योगनिद्रा से लौटते हैं वैकुंठ धाम

राजा बलि के यहां योगनिद्रा में निवास करते हैं। इसी अवधि को चातुर्मास कहा जाता है।

उधर वैकुंठ में माता लक्ष्मी भगवान विष्णु के लंबे समय तक वापस न लौटने से चिंतित हो जाती हैं। देवर्षि नारद उन्हें उपाय बताते हैं, जिसके बाद माता लक्ष्मी पाताल लोक पहुंचकर राजा बलि को राखी बांधकर अपना भाई बना लेती हैं। बदले में राजा बलि भगवान विष्णु को वैकुंठ लौटने का वचन देते हैं। तब श्रीहरि यह संकल्प लेते हैं कि वे प्रत्येक वर्ष चार महीने पाताल लोक में निवास करेंगे और उसके बाद वैकुंठ लौटेंगे।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, कार्तिक शुक्ल एकादशी, जिसे देवउठनी एकादशी कहा जाता है, के दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं। इसी दिन चातुर्मास का समापन होता है और विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन सहित सभी मांगलिक कार्यों की शुरुआत फिर से हो जाती है। यही कारण है कि देवशयनी से देवउठनी एकादशी तक का समय सनातन परंपरा में विशेष आध्यात्मिक साधना, व्रत, जप और पूजा के लिए अत्यंत शुभ माना गया है।

सम्पादकीय

विकासवादी नौकरशाही से बदलेगा उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में विकास की रफ्तार अब केवल योजनाएं बनाने से नहीं, बल्कि उन्हें समय पर जमीन पर उतारने से तय होगी। यही वजह है कि अब पारंपरिक नौकरशाही के साथ–साथ 'विकासवादी नौकरशाही' की अवधारणा पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है। प्रशासन यदि केवल नियमों की किताब तक सीमित रहेगा तो विकास की गति स्वाभाविक रूप से धीमी पड़ेगी, लेकिन यदि वही व्यवस्था परिणाम आधारित सोच अपनाए तो बदलाव तेजी से दिखाई देगा।

पवन गौतम
संपादक

यूपी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेज, औद्योगिक गलियारे, एयरपोर्ट और स्मार्ट सिटी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं तभी समय पर पूरी हो सकती हैं, जब विकास कराने वाले और नियामकीय मंजूरी देने वाले तंत्र के बीच बेहतर तालमेल हो। अक्सर एक विभाग विकास को गति देना चाहता है, जबकि दूसरा विभाग प्रक्रियाओं और अनुमोदनों में उलझा रहता है। परिणामस्वरूप परियोजनाएं महीनों, कभी–कभी वर्षों तक अटक जाती हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ अब प्रशासनिक ढांचे में स्पष्ट कार्य–विभाजन की बात कर रहे हैं। एक ओर राजस्व एवं नियामकीय सेवाएं हों, जिनकी प्राथमिकता कानूनों का पालन और नियंत्रण हो, वहीं दूसरी ओर विकासवादी प्रशासनिक सेवा हो, जिसका लक्ष्य परियोजनाओं को तय समय में पूरा कर जनता तक लाभ पहुंचाना हो। दोनों की भूमिका अलग हो, लेकिन सम्मान और अधिकार समान रहें। आज की दुनिया विशेषज्ञता का युग है। तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में केवल सामान्य प्रशासनिक अनुभव पर्याप्त नहीं माना जा सकता। विषय–विशेषज्ञों को भी प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शी तरीके से अवसर देने की जरूरत है। इससे नीति–निर्माण अधिक व्यावहारिक और प्रभावी बन सकेगा। उत्तर प्रदेश तेजी से बदलते भारत का चेहरा बनने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में प्रशासनिक सुधार केवल सरकारी बहस का विषय नहीं, बल्कि विकास की अनिवार्य शर्त हैं। यदि पदोन्नति कार्य–प्रदर्शन, नवाचार और परिणामों से जुड़ी हो तथा विभागों के बीच समन्वय मजबूत बनाया जाए, तो योजनाओं का लाभ आम नागरिक तक कहीं अधिक तेजी से पहुंचेगा। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब नौकरशाही प्रक्रिया से आगे बढ़कर परिणामों को प्राथमिकता दे। अब समय केवल नियम निभाने का नहीं, बल्कि विकास को नई गति देने वाली उत्तरदायी और विकासवादी नौकरशाही खड़ी करने का है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

यूपी की सड़कों पर मौत, सिस्टम सिर्फ चालान काटता रहेगा

बोध प्रकाश सगुणी

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां हर दिन लाखों वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं। नए एक्सप्रेसवे, चौड़ी होती सड़कें और तेज़ रफ्तार विकास की तस्वीर पेश करते हैं। लेकिन इसी तस्वीर का एक स्याह पक्ष भी है–सड़क हादसे। हर दिन कहीं न कहीं कोई परिवार उजड़ जाता है, कोई मासूम अनाथ हो जाता है और किसी घर का इकलौता कमाने वाला हमेशा के लिए चला जाता है। दुखद यह है कि हर बड़े हादसे के बाद कार्रवाई का वही पुराना क्रम दोहराया जाता है–चालान, निलंबन, जांच समिति और सख्त कार्रवाई के दावे। कुछ दिन बाद सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है।

असल सवाल यह है कि क्या सड़क सुरक्षा का अर्थ केवल चालान काटना रह गया है? यदि किसी वाहन पर दर्जनों या सैकड़ों बार ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार या अन्य नियम उल्लंघन के चालान हो चुके हैं, तो वह वाहन अब भी सड़क पर कैसे दौड़ रहा है? यदि कोई चालक बार–बार नियम तोड़ता है, तो उसका लाइसेंस केवल कागज का दस्तावेज क्यों बना रहता है? आखिर जिम्मेदारी तय किसकी होगी?

उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं के कई कारण हैं–ओवरलोड वाहन, बिना फिटनेस के चल रहे ट्रक और बसें, थके हुए चालक, अवैध परिवहन, खराब सड़क प्रबंधन और नियमों के पालन में लापरवाही। लेकिन इन सभी समस्याओं की जड़ एक ही है–जवाबदेही का अभाव। जब तक जिम्मेदारी केवल चालक तक सीमित रहेगी और सिस्टम खुद को दोषमुक्त मानता रहेगा, तब तक हादसे रुकने वाले नहीं हैं।

आज प्रदेश में ई–चालान व्यवस्था है, सीसीटीवी कैमरे हैं, इंटेलिजेंट ट्रैफिक सिस्टम हैं और डिजिटल निगरानी की आधुनिक तकनीक भी उपलब्ध है। फिर भी सवाल उठता है कि यदि कोई वाहन बार–बार नियम तोड़ रहा है, तो उसे स्वतः ब्लैकलिस्ट क्यों नहीं किया जाता? उसका फिटनेस प्रमाणपत्र तत्काल क्यों नहीं निलंबित होता? उसका परमिट रद्द क्यों नहीं होता? केवल जुर्माना भर देने से क्या सड़क पर खतरा खत्म हो जाता है?

वास्तविकता यह है कि चालान कई मामलों में सुधार का माध्यम नहीं, बल्कि औपचारिक कार्रवाई बनकर रह गया है। यदि किसी ट्रक मालिक के लिए बार–बार जुर्माना भरना लाभदायक है, तो वह नियमों का पालन क्यों करेगा? कानून का उद्द श्य राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि दुर्घटनाएं रोकना होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े बुनियादी ढांचे विकसित हुए हैं। इन परियोजनाओं ने यात्रा आसान की है, लेकिन तेज रफ्तार के साथ सुरक्षा मानकों को और मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है। एक्सप्रेसवे पर वाहन की गति नियंत्रित करने के साथ–साथ चालक की थकान, वाहन की फिटनेस और माल की क्षमता पर भी कठोर निगरानी आवश्यक है।

एक और गंभीर प्रश्न है–फिटनेस प्रमाणपत्र। जिस वाहन को तकनीकी रूप से सुरक्षित घोषित किया गया, क्या उसकी वास्तविक जांच हुई थी? क्या ब्रेक, टायर, स्टीयरिंग और अन्य सुरक्षा मानकों की ईमानदारी से जांच की गई? यदि दुर्घटना के बाद वाहन में गंभीर तकनीकी खामियां मिलती हैं, तो केवल चालक ही नहीं, फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करने वाली पूरी व्यवस्था की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

इसी तरह ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया भी समीक्षा मांगती है। क्या भारी वाहन चलाने वाले सभी चालकों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण होता है? क्या उनकी दृष्टि, मानसिक सतर्कता और लगातार कई घंटे वाहन चलाने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है? यदि नहीं, तो सड़क पर केवल वाहन ही नहीं, व्यवस्था भी जोखिम बनकर दौड़ रही है।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में विभिन्न जिलों के परिवहन, पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के बीच एकीकृत डिजिटल डेटा प्रणाली अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी वाहन पर प्रदेश के अलग–अलग जिलों में लगातार गंभीर उल्लंघन दर्ज हो रहे हैं, तो सिस्टम को स्वतः उसे हाई–रिस्क श्रेणी में डालकर सड़क से हटाने की क्षमता होनी चाहिए। तकनीक उपलब्ध है, आवश्यकता केवल उसे प्रभावी ढंग से लागू करने की है।

सड़क दुर्घटनाएं केवल यातायात का विषय नहीं हैं। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास और सामाजिक सुरक्षा का भी प्रश्न है। हर दुर्घटना के बाद परिवारों पर आर्थिक संकट टूट पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई छूटती है, बुजुर्ग असहाय हो जाते हैं और कई परिवार वर्षों तक मानसिक आघात से उबर नहीं पाते। इसलिए सड़क सुरक्षा को केवल परिवहन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा।

सरकार ने समय–समय पर हेलमेट, सीट बेल्ट, शराब पीकर वाहन चलाने और ओवरलोडिंग के खिलाफ अभियान चलाए हैं। इन अभियानों का सकारात्मक प्रभाव भी पड़ा है। लेकिन स्थायी समाधान तभी मिलेगा, जब कार्रवाई व्यक्ति के साथ–साथ व्यवस्था पर भी होगी। यदि किसी वाहन पर बार–बार गंभीर उल्लंघन दर्ज हों, तो उसके मालिक, परिवहन कंपनी और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश को सड़क सुरक्षा के मामले में दंडात्माक व्यवस्था से आगे बढ़कर निवारक व्यवस्था अपनानी होगी। दुर्घटना होने के बाद कार्रवाई करने की बजाय दुर्घटना होने से पहले खतरे को पहचानना और रोकना अधिक प्रभावी होगा। यही आधुनिक प्रशासन की पहचान है।

हर हादसे के बाद शोक व्यक्त करना आसान है, लेकिन व्यवस्था में बदलाव लाना कठिन। अब समय आ गया है कि सड़क सुरक्षा को केवल चालान, जुर्माने और प्रेस विज्ञप्तियों तक सीमित न रखा जाए। कानून तभी प्रभावी माना जाएगा, जब वह दुर्घटना होने से पहले खतरे को रोक सके।

आखिरकार, सड़क पर मौत केवल तेज रफ्तार से नहीं दौड़ती, वह प्रशासनिक लापरवाही, कमजोर निगरानी और अधूरी जवाबदेही के सहारे आगे बढ़ती है। उत्तर प्रदेश यदि वास्तव में सुरक्षित और विकसित राज्य बनना चाहता है, तो उसे सड़क सुरक्षा की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से देखना होगा। क्योंकि हर चालान का उद्देश्य राजस्व नहीं, एक जीवन बचाना होना चाहिए। जिस दिन यह सोच व्यवस्था का हिस्सा बन जाएगी, उसी दिन सड़कें विकास की पहचान बनेंगी, मौत की नहीं।

विचार विंडो

बाल विवाह: शरीयत नहीं, संविधान सर्वोपरि:हाईकोर्ट

नीरज कुमार दुबे

देश में जब भी व्यक्तिगत कानून (पर्सनल लॉ) और संविधान के बीच संतुलन की चर्चा होती है, बहस अक्सर धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों के इर्द–गिर्द घूमने लगती है। लेकिन इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हालिया फैसले ने इस बहस का केंद्र बदल दिया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि यह मामला किसी धर्म विशेष के अधिकारों का नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा, उनके भविष्य और कानून के शासन का है।

मामला उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का है, जहां एक नाबालिग मुस्लिम किशोरी का विवाह कराए जाने की कोशिश के दौरान पुलिस और बाल सहायता दल ने हस्तक्षेप किया। आरोप है कि बचाव दल पर हमला किया गया और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई। इसी मामले में दर्ज एफआईआर को निरस्त कराने की मांग अदालत के सामने आई, लेकिन न्यायालय ने इसे खारिज करते हुए ऐसी टिप्पणी की, जिसने पूरे देश में नई चर्चा छेड़ दी।

याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार यौवन प्राप्त करने के बाद, जिसे सामान्यतः 15 वर्ष माना जाता है, लड़की विवाह करने के योग्य हो जाती है। अदालत ने इस दलील को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने कहा कि भारत में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होते हैं। कोई भी व्यक्तिगत कानून इन वैधानिक प्रावधानों को निष्प्रभावी नहीं कर सकता।

दरअसल, यह फैसला केवल कानूनी व्याख्या तक सीमित नहीं है। इसके पीछे एक व्यापक सामाजिक संदेश भी छिपा है। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, मानसिक विकास और भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। यदि किसी नाबालिग का विवाह वैध मान लिया जाए तो यह पॉक्सो कानून की भावना को कमजोर करेगा, क्योंकि विवाह के बाद शारीरिक संबंधों की संभावना

स्वाभाविक रूप से जुड़ी होती है।

भारत में लंबे समय से बाल विवाह रोकने के लिए कानून मौजूद हैं। इसके बावजूद कई क्षेत्रों में सामाजिक परंपराओं, आर्थिक मजबूरियों और धार्मिक मान्यताओं के कारण यह कुप्रथा पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी है। ऐसे में न्यायालय का यह निर्णय कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी स्पष्ट दिशा देता है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस फैसले की एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि अदालत ने पुलिस और बाल सहायता दल की भूमिका की सराहना की। अक्सर ऐसे मामलों में प्रशासन पर हस्तक्षेप न करने या सामाजिक दबाव में पीछे हटने के आरोप लगते हैं। लेकिन यहां अदालत ने माना कि अधिकारियों ने समय रहते कार्रवाई कर एक संभावित अपराध को रोका और अपने वैधानिक दायित्व का पालन किया।

दिलचस्प बात यह रही कि फैसले के बाद विभिन्न पक्षों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता ने कानून के पालन की बात कही, हालांकि विवाह की कानूनी आयु पर पुनर्विचार का सुझाव भी दिया। दूसरी ओर, भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन और महिला अधिकारों से जुड़े कई संगठनों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उनका कहना है कि विवाह, तलाक, भरण–पोषण और उत्तराधिकार जैसे विषयों पर स्पष्ट और समान कानूनी व्यवस्था समय की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अदालत ने किसी धर्म या आस्था पर टिप्पणी नहीं की। निर्णय का मूल आधार संविधान, बाल संरक्षण कानून और सार्वजनिक नीति रही। यही कारण है कि इसे केवल "शरीयत बनाम संविधान" के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असल प्रश्न यह है कि क्या किसी भी समाज में बच्चों के अधिकारों से बड़ा कोई अधिकार हो सकता है? न्यायालय का उत्तर स्पष्ट है–नहीं।

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन वही संविधान यह भी सुनिश्चित करता है कि बच्चों, महिलाओं और कमजोर वर्गों की सुरक्षा सर्वोपरि रहे। जब व्यक्तिगत कानून और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े वैधानिक कानूनों में टकराव की स्थिति उत्पन्न होती है, तब अदालतों का दायित्व संविधान की मूल भावना और मानवाधिकारों की रक्षा करना होता है।

इस फैसले का प्रभाव केवल एक मुकदमे तक सीमित नहीं रहेगा। यह उन परिवारों, सामाजिक संगठनों और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी मार्गदर्शक बनेगा, जो बाल विवाह जैसे मामलों से जूझते हैं। साथ ही यह संदेश भी देगा कि धार्मिक परंपराओं का सम्मान अपनी जगह है, लेकिन बच्चों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

अंततः यह निर्णय संविधान और शरीयत के बीच प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि बचपन की सुरक्षा और कानून के शासन की जीत का संदेश देता है। अदालत ने साफ कर दिया है कि जब सवाल किसी बच्चे के भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और गरिमा का हो, तब देश का कानून ही अंतिम और सर्वोच्च मार्गदर्शक होगा। यही किसी भी लोकतांत्रिक और संवेदनशील समाज की पहचान भी है।

टी–20 सीरीज में फिसला भारत ओलंपिक टिकट पर बढ़ी चुनौती

अब हर मैच बनेगा टीम इंडिया की परीक्षा

नंबर–1 के बाद अब ओलंपिक पर संकट

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में लगातार खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट टीम की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अब केवल आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर–1 स्थान ही नहीं, बल्कि लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन का रास्ता भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि टीम का प्रदर्शन जल्द नहीं सुधरा, तो एशिया की शीर्ष टीम बनने की दौड़ में भारत को कड़ी टक्कर मिल सकती है। आईसीसी द्वारा तय क्वालिफिकेशन नियमों के अनुसार, एशिया, यूरोप, अफ्रीका और ओशिनिया की वर्ष के अंत तक शीर्ष रैंक वाली टी20 टीमों को ओलंपिक में सीधे प्रवेश मिलेगा। मेजबान होने के कारण अमेरिका पहले ही स्थान हासिल कर चुका है, जबकि अंतिम टीम का फैसला क्वालिफायर के जरिए होगा। फिलहाल भारत एशिया की शीर्ष टी20 टीम बना हुआ है, लेकिन हालिया हार के कारण उसकी रेटिंग में गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी ओर, पाकिस्तान सहित अन्य एशियाई टीमें लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। यदि भारत आगामी मुकाबलों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया और प्रतिद्वंद्वी टीमों ने लगातार जीत हासिल की, तो एशिया की नंबर–1 टीम का दर्जा बदल सकता है। भारतीय टीम के पास स्थिति सुधारने का पर्याप्त मौका भी है। इंग्लैंड दौरे के बाद टीम को इस वर्ष जिम्बाब्वे, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ कई अहम टी20 सीरीज खेलनी हैं। इन मुकाबलों में अच्छे प्रदर्शन से भारत न केवल अपनी रैंकिंग मजबूत कर सकता है, बल्कि ओलंपिक के लिए सीधा टिकट भी लगभग सुनिश्चित कर सकता है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी प्रत्येक टी20 मैच अब भारत के लिए बेहद अहम साबित होगा। जीत का सिलसिला टीम को फिर से मजबूत स्थिति में पहुंचा सकता है

इमोशंस में उलझी 'इक्का' कोर्टरूम का रोमांच पड़ा फीका

अक्षय खन्ना का अभिनय दमदार,लेकिन कमजोर पटकथा

यूनिक समय, नई दिल्ली। सनी देओल और अक्षय खन्ना स्टारर कोर्टरूम ड्रामा 'इक्का' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में एक पिता के संघर्ष, भावनाओं और न्याय के बीच उलझी कहानी दिखाई गई है। हालांकि दमदार स्टारकास्ट के बावजूद फिल्म एक प्रभावशाली कोर्टरूम ड्रामा बनने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाती। फिल्म की कहानी अर्जुन (सनी देओल) के इर्द–गिर्द घूमती है, जो एक मशहूर वकील है। उसकी जिंदगी तब बदल जाती है जब उसकी बेटी गंभीर बीमारी से जूझने लगती है। इसी बीच उसे एक हाई–प्रोफाइल केस लड़ना पड़ता है, जिसमें आरोपी शौर्य (अक्षय खन्ना) का उसकी निजी जिंदगी से गहरा रिश्ता निकलता है। यहीं से कहानी भावनाओं और कानूनी संघर्ष के बीच आगे बढ़ती है। अभिनय की बात करें तो अक्षय खन्ना फिल्म की सबसे मजबूत कड़ी साबित होते हैं। उन्होंने अपने किरदार में रौब, आत्मविश्वास और नकारात्मकता को प्रभावशाली ढंग से निभाया है। सनी देओल एक भावुक पिता के रूप में प्रभावित करते हैं, लेकिन कोर्टरूम में उनके किरदार को उतनी मजबूती नहीं मिलती, जिसकी दर्शकों को उम्मीद रहती है। दिया मिर्जा और तिलोत्तमा शोम ने भी अपने–अपने किरदारों के साथ न्याय किया है। निर्देशक सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने फिल्म को भावनात्मक बनाए रखने की कोशिश की हैं लेकिन कमजोर पटकथा और अनुमानित घटनाक्रम इसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाते हैं।

'श्री रामभूमि' से अनुपम खेर का पहला लुक जारी

'श्री रामभूमि' में अशोक सिंघल की भूमिका निभाते नजर आएंगे अनुपम खेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी आगामी फिल्म 'श्री रामभूमि' से पहला लुक साझा करते हुए पुष्टि की है कि वह इस फिल्म में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के सेट से तस्वीरें सामने आने के बाद उनके किरदार को लेकर चल रही चर्चाओं पर अब विराम लग गया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए अनुपम खेर ने कहा कि अशोक सिंघल जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्व का किरदार निभाना उनके लिए सम्मान के साथ–साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने लिखा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को दिशा देने में अशोक सिंघल का महत्वपूर्ण योगदान रहा और उनकी आस्था, समर्पण तथा दृढ़ संकल्प ने इस आंदोलन को नई ऊर्जा दी। उन्होंने विश्वास जताया कि वह पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ इस भूमिका को पर्दे पर जीवंत करने का प्रयास करेंगे। फिल्म की शूटिंग इन दिनों अयोध्या में चल रही है। शूटिंग शुरू करने से पहले अनुपम खेर ने रामलला और हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम और भगवान हनुमान का आशीर्वाद लेकर ही इस महत्वपूर्ण फिल्म की शुरुआत की गई है। 'श्री रामभूमि' को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्साह बना हुआ है। अब अनुपम खेर के पहले लुक और उनके किरदार के आधिकारिक खुलासे के बाद फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई है।

एक नहीं, दो ट्रेलर से गूंजेगी 'रामायण' की दुनिया

दिल्ली और अमेरिका में होगा मेगा ट्रेलर लॉन्च

दिवाली रिलीज से पहले ग्लोबल स्तर पर बनेगा माहौल

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी स्टार मेगा बजट फिल्म 'रामायण' इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल है। करीब 4000 करोड़ रुपये के बजट में बन रही इस महत्वाकांक्षी फिल्म को लेकर हर दिन नए अपडेट सामने आ रहे हैं। अब खबर है कि मेकर्स फिल्म के प्रमोशन को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'रामायण' का एक नहीं बल्कि दो अलग–अलग ट्रेलर लॉन्च किए जाएंगे, ताकि भारत के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक भी फिल्म का प्रभावी प्रचार पहुंच सके। बताया जा रहा है कि पहला ट्रेलर करीब चार मिनट का होगा। इसकी लॉन्चिंग 18 जुलाई को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में की जाएगी। इसके बाद इस ट्रेलर को हॉलीवुड निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द ओडिसी' के साथ सिनेमाघरों में भी दिखाने की योजना बनाई गई है। इससे देशभर के दर्शकों को बड़े पर्दे पर फिल्म की पहली झलक देखने का मौका मिलेगा। दूसरी ओर, लगभग साढ़े तीन मिनट का दूसरा ट्रेलर अमेरिका के प्रतिष्ठित सैन डिएगो कॉमिक–कॉन में पेश किया जाएगा। यह दुनिया के सबसे बड़े पॉप–कल्चर और एंटरटेनमेंट आयोजनों में गिना जाता है। यहां ट्रेलर लॉन्च कर मेकर्स विदेशी दर्शकों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का इंग्लिश लिप–सिंक वर्जन भी तैयार किया जा रहा है, ताकि भारतीय महाकाव्य को वैश्विक दर्शक आसानी से समझ सकें। माना जा रहा है कि यह रणनीति फिल्म को केवल भारतीय बाजार तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर भी मजबूत पहचान दिलाने में मदद करेगी। इससे पहले फिल्म की शुरुआती झलक जारी होने पर कुछ दर्शकों ने विजुअल इफेक्ट्स और प्रस्तुति को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं दी थीं। कई लोगों ने टीजर में भारतीय संस्कृति की झलक कम और वीएफएक्स ज्यादा होने की बात कही थी। ऐसे में अब ट्रेलरों से दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। माना जा रहा है कि नए ट्रेलरों में कहानी, किरदारों, संवादों और भव्य दृश्यों को कहीं अधिक प्रभावशाली ढंग से पेश किया जाएगा। निर्देशक नीतेश तिवारी इस फिल्म को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी प्रस्तुति बनाने में जुटे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण के दमदार किरदार में नजर आएंगे।

क्वार्टर फाइनल में किसका चलेगा फुटबॉल का जादू

12 मुकाबले स्पेन के नाम, बेल्जियम ने जीते सिर्फ 5 मैच

क्वार्टर फाइनल में फिर आमने–सामने दोनों टीमें

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अब अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच चुका है। फ्रांस के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद अब फुटबॉल प्रेमियों की नजरें स्पेन और बेल्जियम के बीच होने वाले दूसरे क्वार्टर फाइनल पर टिकी हैं। दोनों टीमें शानदार फॉर्म में हैं, इसलिए मुकाबले को टूर्नामेंट के सबसे बड़े मैचों में गिना जा रहा है। भारतीय समयानुसार यह मुकाबला 12 जुलाई की रात 12:30 बजे खेला जाएगा। स्पेन ने इस विश्व कप में अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसकी मजबूत रक्षा पंक्ति रही है। टूर्नामेंट में अब तक कोई भी टीम स्पेन के खिलाफ गोल करने में सफल नहीं हुई है। गोलकीपर उनाई साइमन लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीमों के लिए दीवार साबित हुए हैं। दूसरी ओर बेल्जियम भी पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी। टीम ने अब तक अपने सभी मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। बेल्जियम के खिलाड़ी तेज आक्रमण और बेहतरीन टीमवर्क के दम पर स्पेन को कड़ी चुनौती देने के लिए तैयार हैं। अगर दोनों टीमों के हेड–टू–हेड रिकॉर्ड पर नजर डालें तो अब तक 22 मुकाबलों में स्पेन का पलड़ा भारी रहा है। स्पेन ने 12 मैच जीते हैं, जबकि बेल्जियम को केवल 5 मुकाबलों में सफलता मिली है। पांच मैच ड्रॉ रहे। विश्व कप इतिहास में दोनों टीमें इससे पहले दो बार भिड़ चुकी हैं। 1986 में बेल्जियम ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी, जबकि 1990 में स्पेन ने मुकाबला अपने नाम किया था। इस मैच में स्पेन के युवा स्टार लामिन यमाल पर सभी की निगाहें रहेंगी। महज 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपने तेज खेल और शानदार पासिंग से सभी को प्रभावित किया है। भले ही उनके नाम अभी एक गोल दर्ज हो, लेकिन विपक्षी डिफेंस पर लगातार दबाव बनाने की उनकी क्षमता स्पेन की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही है। बेल्जियम भी अपने अनुभवी खिलाड़ियों के दम पर कोई कसर छोड़ना नहीं चाहेगा। टीम जानती है कि स्पेन के खिलाफ एक छोटी गलती भी भारी पड़ सकती है। इसलिए रक्षात्मक मजबूती के साथ जवाबी हमलों की रणनीति अपनाई जा सकती है। फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि रिकॉर्ड और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए स्पेन थोड़ा मजबूत नजर आता है, लेकिन नॉकआउट मुकाबलों में एक पल पूरे मैच की दिशा बदल सकता है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि स्पेन अपनी अजेय लय बरकरार रखता है या बेल्जियम बड़ा उलटफेर कर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लेता है।

भारत में बजेगा बिग बैश का बिगुल, इतिहास रचेगा क्रिकेट

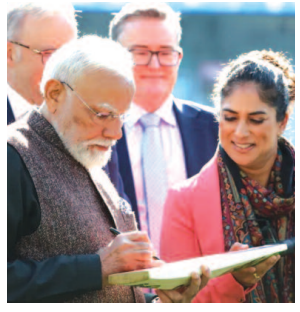

12 दिसंबर को चेन्नई में होगा पहला मुकाबला

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। पहली बार ऑस्ट्रेलिया की मशहूर टी20 लीग बिग बैश लीग (बीबीएल) का मुकाबला भारत में खेला जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) से इस ऐतिहासिक फैसले की घोषणा की। बीबीएल 2026–27 सीजन का उद्घाटन मैच 12 दिसंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स आमने–सामने होंगे। यह पहला अवसर होगा जब किसी विदेशी फ्रेंचाइजी टी20 लीग का आधिकारिक मैच भारत की धरती पर आयोजित किया जाएगा। यह मुकाबला दिसंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई सांस्कृतिक महोत्सव का भी प्रमुख आकर्षण रहेगा। क्रिकेट प्रशंसकों को ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भारतीय मैदान पर खेलते देखने का अनूठा अनुभव मिलेगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट केवल खेल नहीं, बल्कि दोनों देशों की साझा भावनाओं और दोस्ती का मजबूत माध्यम है। उन्होंने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड से जुड़ी यादों का भी जिक्रकिया और दोनों देशों के खेल संबंधों को और मजबूत बनाने की बात कही। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल भारत और ऑस्ट्रेलिया के खेल सहयोग को नई ऊंचाई देगी और भविष्य में ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों का रास्ता भी खोलेगी।

आरव हत्याकांड में बड़ा फैसला

दोषी विराज को फांसी की सजा

यूनिक समय, फिरोजाबाद। शिकोहाबाद के चर्चित डेढ़ साल के मासूम आरव हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए दोषी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक को फांसी की सजा सुनाई है। जिला जज डॉ. बब्बू सारंग की अदालत ने मामले को बेहद गंभीर और जघन्य अपराध मानते हुए यह सजा सुनाई। फैसला सुनते ही आरोपी की आंखों से आंसू निकल पड़े। अदालत ने गुरुवार को विराज को हत्या का दोषी ठहराया था। शुक्रवार को सजा के ऐलान के लिए उसे कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से कोर्ट लाया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए सबूतों और गवाहों के आधार पर अदालत ने माना कि आरोपी का अपराध बेहद क्रूर और मानवता को झकझोर देने वाला है। यह घटना 30 मई को शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में हुई थी। आरोप है कि विराज ने रिश्ते

की भाभी रति देवी से शादी की इच्छा पूरी नहीं होने पर उसके डेढ़ साल के बेटे आरव को निशाना बनाया। वह बच्चे को टॉफी दिलाने के बहाने घर से बाहर ले गया और सुनसान जगह पर सड़क पर पटक-पटककर उसकी हत्या कर दी। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी ने महज 27 सेकंड के अंदर मासूम को आठ बार जमीन पर पटका था। घटना के बाद वह बच्चे के शव को घर के दरवाजे पर छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था।

27 सेकंड में मासूम की हत्या ने झकझोरा था पूरा प्रदेश

अदालत ने जघन्य अपराध मानते हुए सुनाया फैसला

गिरफ्तारी के दौरान उसके पैरों में गोली लगी थी। मामले में पुलिस ने मजबूत साक्ष्य अदालत के सामने पेश किए। फैसले के बाद आरव की नानी पिंकी देवी ने संतोष जताते हुए कहा कि अदालत के फैसले से उन्हें न्याय मिला है। वहीं, पुलिस और अभियोजन पक्ष ने भी इस फैसले को महत्वपूर्ण बताया। अदालत के इस निर्णय से पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है।

हाईकोर्ट का पोस्टर हटाने पर रोक से इनकार

यूनिक समय, इलाहाबाद । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊपीठ ने ईरानी धार्मिक नेताओं अयातुल्लाह सैयद अली खामनेई और अयातुल्लाह सैयद अली अल-सिस्तानी सहित अन्य धर्मगुरुओं के पोस्टर हटाने की कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि जनहित याचिका में लगाए गए आरोप स्पष्ट और ठोस तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की पीठ ने मजलिस उलेमा-ए-हिन्द के महासचिव मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। याचिका में पुलिस को पोस्टर लगाने या धार्मिक आयोजनों में शामिल लोगों पर कार्रवाई नहीं करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि पोस्टर कहां लगाए गए थे, उन्हें किस अधिकारी ने और किन परिस्थितियों में हटाया। अदालत ने कहा

याचिका में नहीं मिले ठोस तथ्य

प्रभावित पक्षों को कानूनी रास्ता अपनाने की छूट

कि केवल सामान्य आरोपों के आधार पर हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। हालांकि, किसी व्यक्ति के साथ कानून के विपरीत कार्रवाई होती है तो वह संबंधित कानूनी उपाय अपना सकता है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद में नया मोड़

यूनिक समय,अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में नया घटनाक्रम सामने आया है। मंदिर में दान राशि की गणना करने वाले 23 कर्मचारियों ने एक साथ इस्तीफा दे दिया है। कर्मचारियों का कहना है कि घटना के बाद व्यवस्था में बदलाव से उनका काम बढ़ गया है, जबकि वेतन में कोई बदलाव नहीं हुआ। कर्मचारियों के अनुसार, अब चढ़ावे में 10 और 20 रुपये के नोटों की संख्या बढ़ गई है, जबकि 500 रुपये के नोटों की गडिडयां कम हो गई हैं। पहले जहां 500 रुपये के नोटों की 70 से 80 गडिडया बनती थीं, वहीं अब यह संख्या करीब 15 तक रह गई है। इससे गणना में अधिक समय लग रहा है। पहले दान गिनने का काम दो शिफ्टों में होता था, लेकिन अब सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक एक ही शिफ्ट में काम कराया

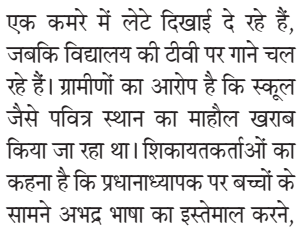

जा रहा है। इस्तीफे के बाद बैंक के पास अब केवल 13 गणना कर्मचारी बचे हैं। वहीं, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट 13 जुलाई को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ जांच को सीबीआई को सौंपने, एसआईटी गठन और दान प्रबंधन की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति बनाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। चढ़ावा चोरी की घटना पर नेपाल के जनकपुर स्थित जानकी मंदिर के महंत रोशन

23 कर्मचारियों ने छोड़ा काम

सुप्रीम कोर्ट में 13 जुलाई को होगी अहम सुनवाई

दान गिनती व्यवस्था और जांच को लेकर उठे सवाल

दास ने भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं और सावन में जनकपुर से प्रतिनिधिमंडल अयोध्या पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन करेगा।

अंतरराज्यीय हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश,

यूनिक समय,आगरा में पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना खेरागढ़ पुलिस, एसओजी पश्चिमी जोन और सर्विलांस टीम ने राजस्थान बॉर्डर के पास कार्रवाई कर आरोपियों को पकड़ा। पुलिस ने इनके कब्जे से 11 अवैध .32 बोर पिस्टल, 10 मैगजीन, एक महिंद्रा थार, मोबाइल फोन, नकदी और संदिग्ध नंबर प्लेट बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हाथरस निवासी उदयवीर सिंह और राजस्थान धौलपुर निवासी यश शर्मा उर्फ अन्नू के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने हथियारों की खरीद-फरोख्त में शामिल होने की बात स्वीकार की है।

अयोध्या में सीएम योगी ने साधा विपक्ष पर निशाना

यूनिक समय,अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या दौरे के दौरान 432 करोड़ रुपये की लागत वाली 217 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। बीकापुर में आयोजित जनसभा में उन्होंने पूर्व मंत्री मुन्ना सिंह की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या अब विकास, आस्था और आधुनिक सुविधाओं का नया केंद्र बन रही है। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में अयोध्या उपेक्षा का शिकार रही, जबकि वर्तमान सरकार ने शहर की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम किया है। उन्होंने हनुमानगढ़ी से जुड़े एक पुराने मामले का उल्लेख करते हुए विपक्ष की नीतियों पर भी सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या अब हवाई सेवा के माध्यम से देश और दुनिया से जुड़ चुकी है। सरयू नदी के सौंदर्यीकरण, मंदिर क्षेत्र के विकास और बेहतर बुनियादी सुविधाओं का

432 करोड़ की परियोजनाओं का किया शुभारंभ

विकास और विरासत पर दिया जोर

जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि धार्मिक नगरी तेजी से आधुनिक स्वरूप ले रही है। इस दौरान उन्होंने दो नगर पंचायतों के नाम बदलने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, आवास योजना की चाबियां और अन्य सहायता सामग्री भी वितरित की गई।

यूपी में बारिश का कहर, 30 शहरों में जलभराव

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की तेज बारिश से कई जिलों में हालात बिगड़ गए हैं। शुक्रवार को वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज समेत 30 शहरों में रुक-रुककर बारिश हुई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 49 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। सहारनपुर में भारी बारिश से कब्रिस्तान की मिटटी बह गई, जिससे शवों के अवशेष बाहर आ गए। मुजफ्फरनगर में नहर ओवरफ्लो होकर टूट गई और खेतों में पानी भर गया। बांदा में कई घरों में बारिश का पानी घुस गया, जबकि हापुड़ और प्रयागराज में भी जलभराव की समस्या सामने आई। बिजनौर में स्कूल की दीवार गिर गई। खराब मौसम के चलते कई जिलों में 12वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बारिश से जुड़े हादसों में पिछले 48 घंटे में प्रदेश में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत कार्य तेज करने और पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

स्कूल में शराब पार्टी, प्रधानाध्यापक पर गिरी गाज

यूनिक समय, महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर स्कूल परिसर में शराब पीने और अनुशासनहीनता के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों की शिकायत के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। मामला खरेला क्षेत्र के टिकरी प्राथमिक विद्यालय का है। ग्रामीणों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल मिश्रा को शिकायत देकर आरोप लगाया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक स्कूल परिसर में ही रहते हैं और अक्सर नशे की हालत में पाए जाते हैं। शिकायत के बाद खंड शिक्षा अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें प्रधानाध्यापक के नशे में होने की बात सामने आई। जांच के दौरान सामने आए एक वीडियो ने भी मामले को चर्चा में ला दिया है। वीडियो में प्रधानाध्यापक

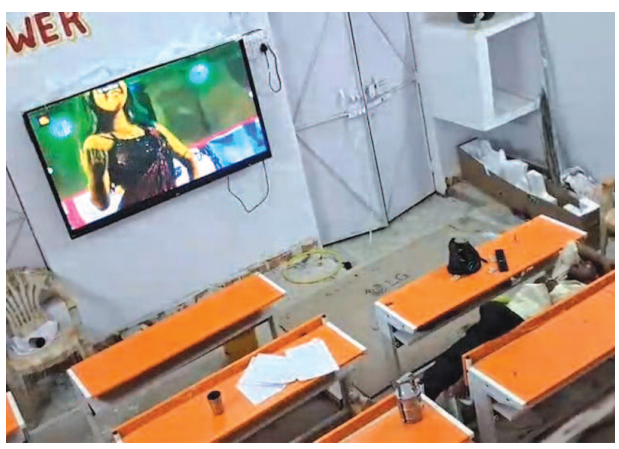

एक कमरे में लेटे दिखाई दे रहे हैं, जबकि विद्यालय की टीवी पर गाने चल रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल जैसे पवित्र स्थान का माहौल खराब किया जा रहा था। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि प्रधानाध्यापक पर बच्चों के सामने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने, असामाजिक तत्वों को विद्यालय परिसर में बुलाने और देर रात तक शराब पीने जैसे आरोप हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि विद्यालय के शिक्षकों और अन्य लोगों से उधार पैसे मांगे जाते थे। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से प्रधानाध्यापक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और तत्काल

टीवी पर बज रहे थे गाने, नशे में मिले हेडमास्टर

ग्रामीणों की शिकायत पर शिक्षा विभाग ने शुरू की जांच

स्थानांतरण की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसे माहौल में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और विद्यालय की छवि खराब हो रही है। बेसिक शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग का कहना है।

चढ़ावा चोरी विवाद पर बोले नृत्यगोपाल दास

आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

यूनिक समय,अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इसी बीच आज राम मंदिर ट्रस्ट की अहम बैठक होने जा रही है, लेकिन उससे पहले ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास का बड़ा बयान सामने आया है।

महंत नृत्यगोपाल दास ने कहा कि श्रीराम लला सरकार के मंदिर में हुई दान चोरी की घटना से वह बेहद आहत हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिसने भी यह कृत्य किया है, उसे कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भरोसा जताते हुए कहा कि सरकार इस पाप से जुड़े हर व्यक्ति को सजा जरूर दिलाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि यह मामला केवल चोरी का नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा हुआ गंभीर विषय है। ऐसे में इसमें किसी भी तरह की राजनीति या व्यक्तिगत लाभ के लिए हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

इधर, राम मंदिर ट्रस्ट की आज होने वाली बैठक को लेकर भी काफी हलचल है। इस बैठक में चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि अभी तक उनके इस्तीफे स्वीकार नहीं किए गए हैं और अंतिम फैसला बैठक में लिया जाएगा।

इसके अलावा ट्रस्ट के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए एक सीईओ की नियुक्ति पर भी विचार किया जा सकता है।

देशभर में बारिश का कहर, दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव

उत्तराखंड में 1000 यात्री फंसे

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून की तेज बारिश ने देश के कई हिस्सों में मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। हालांकि उत्तर प्रदेश को छोड़कर अन्य राज्यों में बारिश से जुड़े हालात गंभीर बने हुए हैं।

राजधानी दिल्ली में लगातार बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव हो गया। तुखमीरपुर में 24 घंटे के दौरान 160 मिमी बारिश दर्ज की गई। विकास मार्ग, संगम विहार, द्वारका, मुनीरका और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के आसपास की सड़कों पर पानी भर गया। गाजीपुर मंडी क्षेत्र में भी जलभराव देखने को मिला। कई जगह पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आईं।

उत्तराखंड में बारिश और भूस्खलन ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे का करीब 100 मीटर हिस्सा बह गया, जिससे लगभग 1000 यात्री फंस गए। पिथौरागढ़ में चट्टानें गिरने से आदि कैलाश मार्ग बंद हो गया।

हरिद्वार में कई इलाकों में तीन से चार फीट तक पानी भर गया।

हिमाचल प्रदेश में भी लगातार बारिश के कारण भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। शिमला में रिटेनिंग वॉल गिरने से सड़क पर मलबा आ गया और कई वाहन प्रभावित हुए।

सिरमौर और सोलन जिलों में भारी बारिश को देखते हुए स्कूल–कॉलेज बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। महाराष्ट्र में बारिश का असर रेल यातायात पर भी पड़ा है। मुंबई–पुणे रेल मार्ग पर भूस्खलन के कारण कई ट्रेनों को रद्द किया गया है।

मध्य रेलवे ने 17 जुलाई तक कई सेवाओं को प्रभावित बताया है। पिंपरी–चिंचवड़ में मलबा गिरने की घटना में राहत और बचाव अभियान जारी है।

राजस्थान के धौलपुर में बारिश के चलते मकान गिरने से कई लोग मलबे में दब गए। वहीं, त्रिपुरा के तीन जिलों में बाढ़ के कारण करीब 11 हजार लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून पूरे देश में पहुंच चुका है। इस बार मानसून ने सामान्य समय से पहले ही पूरे भारत को कवर कर लिया है। आने वाले दिनों में कई राज्यों में भारी बारिश और भूस्खलन को लेकर सतर्कता जारी की गई है।

पहाड़ी राज्यों में लैंडस्लाइड से बढ़ी परेशानी

कई राज्यों में बाढ़ और बिजली से नुकसान

महादेव सट्टेबाजी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

940 करोड़ की संपत्तियां जांच एजेंसी ने जब्त कीं

ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क पर बढ़ा कानूनी शिकंजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन बुक और स्काई एक्सचेंज अवैध सट्टेबाजी मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के रायपुर जोनल कार्यालय ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत विकास गर्ग, उनके परिवार और उनसे जुड़ी कंपनियों की करीब 940.77 करोड़ रुपये की संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त की हैं।

जब्त संपत्तियों में जमीन, आवासीय संपत्तियां, शेयर और अन्य वित्तीय साधन शामिल हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क के जरिए हर महीने 450 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध कमाई की जा रही थी। ईडी की जांच में सामने आया कि सट्टेबाजी से मिले पैसे को फर्जी कंपनियों और कई स्तरों के लेन–देन के जरिए वैध दिखाने की कोशिश की गई। इन पैसों का इस्तेमाल शेयर, सिक्योरिटीज और अन्य संपत्तियां खरीदने में किया गया।

इस मामले में अब तक करीब 3,800 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त, फ्रीज या अटैच की जा चुकी हैं। ईडी ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और आगे भी कार्रवाई की जा सकती है।

डीआईजी के छापे में ड्यूटी से गायब मिला थाना प्रभारी, निलंबित

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब के अमृतसर में पुलिस विभाग की लापरवाही का मामला सामने आया है। अमृतसर बॉर्डर रेंज के डीआईजी हरमनबीर सिंह गिल ने राजासांसी थाने का अचानक निरीक्षण किया, जहां थाना प्रभारी हरजीत सिंह ड्यूटी से गायब मिले।

जानकारी के अनुसार, इलाके में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस नाकेबंदी के निर्देश दिए गए थे। डीआईजी जब देर रात नाकों की जांच करने पहुंचे तो थाना प्रभारी अपनी ड्यूटी पर मौजूद नहीं थे। बाद में वह थाने के एक कमरे में सोते हुए मिले।

इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें डीआईजी थाना प्रभारी को फटकार लगाते नजर आ रहे हैं।

निरीक्षण में खुली पुलिस अधिकारी की लापरवाही

ड्यूटी छोड़ सोते मिले थाना प्रभारी

इसके बाद डीआईजी ने कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी को तुरंत निलंबित कर दिया और विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

वहीं, पंजाब पुलिस की ओर से अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कई जगहों पर छापेमारी की गई। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 423 लोगों को गिरफ्तार किया है और कई मामलों में आगे की जांच जारी है।

असम में मासूम बच्ची की हत्या से फैला आक्रोश

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के श्रीभूमि जिले में आठ साल की बच्ची की हत्या का मामला सामने आने से पूरे क्षेत्र में गुस्सा और दुख का माहौल है। मदनमोहन इलाके में बच्ची घर से खेलने के लिए निकली थी, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने तलाश शुरू की तो उसका शव जंगल में मिला।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में बच्ची के साथ गलत हरकत की आशंका जताई गई है। मामले में एक किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बच्ची को बहला–फुसलाकर जंगल ले जाने की बात स्वीकार की है।

जंगल में मिला आठ साल की बच्ची का शव

किशोर आरोपी हिरासत में, जांच जारी है

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने हत्या, अपहरण और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है।

शादी के भोज में मटन की जगह चिकन पर बवाल, मारपीट

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के सहरसा जिले में शादी का खुशियों भरा माहौल अचानक विवाद में बदल गया। सिमरी बख्तियारपुर क्षेत्र में निकाह के बाद भोज के दौरान खस्सी (मटन) की जगह मुर्गा परोसे जाने को लेकर बाराती और शराती पक्ष आमने–सामने आ गए।

जानकारी के अनुसार, दूल्हा पक्ष का आरोप था कि भोज में खस्सी का मांस देने की बात कही गई थी, लेकिन खाने में चिकन परोसा गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

विवाद बढ़ने के बाद दोनों ओर से लाठी–डंडे और लात–घूंसे चलने लगे। इस घटना में दूल्हा पक्ष के कई लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है।

पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत करने की बात कही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोज में विवाद से बिगड़ा शादी का माहौल

मटन की जगह चिकन पर शुरू हुआ हंगामा

नांदल गैंग पर शिकंजा: गुरुग्राम एनकाउंटर में चार शूटर ढेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के गुरुग्राम में हुए पुलिस एनकाउंटर के बाद विदेश में बैठे गैंगस्टर दीपक नांदल का नाम एक बार फिर चर्चा में आ गया है। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ में मारे गए चार बदमाश कथित तौर पर दीपक नांदल गैंग से जुड़े हुए थे, जबकि एक अन्य आरोपी घायल हुआ है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई उस समय हुई जब हथियारबंद बदमाशों के एक कारोबारी के घर पर हमला करने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपियों को रोकने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में चार शूटर मारे गए। जांच एजेंसियों के अनुसार, दीपक नांदल हरियाणा के चर्चित गैंगस्टरों में शामिल है। आरोप है कि वह भारत छोड़ने के बाद विदेश में रहकर अपने

आपराधिक नेटवर्क को संचालित कर रहा है। पुलिस का दावा है कि वह इंटरनेट कॉल, सोशल मीडिया और अपने संपर्कों के जरिए गैंग की गतिविधियों को नियंत्रित करता है।

नांदल पर रंगदारी मांगने, हत्या, फायरिंग और आपराधिक साजिश जैसे कई गंभीर मामलों में शामिल होने के आरोप हैं। पुलिस और जांच एजेंसियां उसके नेटवर्क से जुड़े लोगों पर लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अपराध की दुनिया में आने से पहले दीपक नांदल हरियाणवी संगीत जगत से जुड़ा हुआ था। वह संगीत निर्माता और रैपर के तौर पर काम करता था। इस दौरान उसने कई कलाकारों के साथ काम किया था।

बाद में उसके नाम का संबंध कई आपराधिक मामलों से जुड़ता गया। कुछ मामलों में कारोबारियों को धमकी देने और रंगदारी मांगने के आरोप भी सामने आए।

हरियाणा पुलिस और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) लंबे समय से नांदल गैंग के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। पुलिस का कहना है कि गैंग से जुड़े शूटरों और सहयोगियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार, विदेश में बैठे अपराधियों के नेटवर्क को खत्म करने के लिए भी जांच एजेंसियां लगातार काम कर रही हैं। पुलिस का लक्ष्य संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है ।

विदेश में बैठकर गैंग चलाने का आरोप

पुलिस कार्रवाई में सामने आया पूरा नेटवर्क

मुजतबा खामेनेई पहली बार दिख सकते हैं सार्वजनिक मंच पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई शनिवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आ सकते हैं। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह कोम शहर की हजरत मासूमेह दरगाह में अपने पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की शोकसभा में शामिल होंगे।

अली खामेनेई को शुक्रवार को मशहद स्थित इमाम रजा के रौजे में सुपुर्द–ए–खाक किया गया था। इसके बाद कोम में आयोजित होने वाली शोकसभा में मुजतबा के नेतृत्व करने की बात कही जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धार्मिक परिषद ने मुजतबा को नया सुप्रीम लीडर चुना है। हालांकि, सुरक्षा कारणों के चलते वह लंबे समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहे हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच मुजतबा की पहली सार्वजनिक मौजूदगी को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजरें टिकी हुई हैं।

पिता अली खामेनेई की शोकसभा में करेंगे अगुवाई

सुनसान माहौल में श्रद्धालु ढूंढ़ते हैं शांति और सुकून का रास्ता

वृंदावन में रात के सन्नाटे पर मंदिरों के गेटों पर बरसती कृपा

प्रमुख संवाददाता

रात के सन्नाटे में बांकेबिहारी मंदिर के बंद गेट पर सिर झुकाते श्रद्धालु।

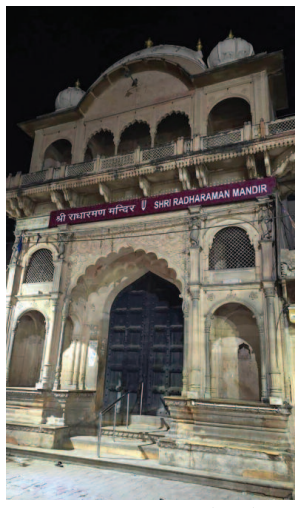

ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर के बंट गेट का नजारा।

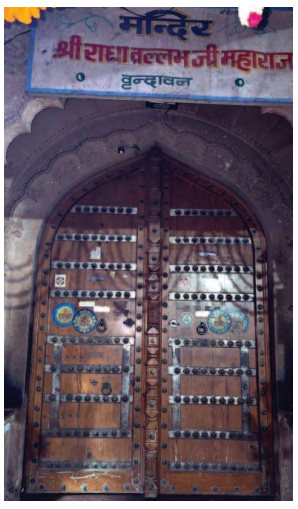

ठाकुर राधारमण मंदिर के गेट विद्युत रोशनी में जगमगाते हुए।

विद्युत की रोशनी में केशी घाट पर होकर परिक्रमा करते श्रद्धालु।

विद्युत की रंग बिरंगी रोशनी में डूबा केशीघाट।

यूनिक समय, वृंदावन । मंदिरों की नगरी में दिन के वक्त भागमभाग की स्थिति होती है। बाहर से आए श्रद्धालु हो या स्थानीय निवासी, सब अपनी आस्था की बंधी डोर में किसी न किसी मंदिर में जाकर अपनी दिनचर्या की शुरुआत करते हैं, लेकिन रात को पट बंद होने के बाद मंदिरों के बाहर और परिक्रमा मार्ग में आस्था और श्रद्धा के साथ राह चलने वाले शांति और सुकून का तलाश में दिखते हैं।

सबसे पहले विश्व प्रसिद्ध बांकेबिहारी मंदिर के बारे में बात करें तो रात को यहां का नजारा बड़ा अदभुत था। विद्युत की रोशनी में जगमगाते द्वार पर रात के सन्नाटे में भी अलग तरह की अनुभूति का अहसास हो रहा था। यहां से गुजरने वाले लोग भी मंदिर के द्वार के सामने सिर झुकाकर और हाथ जोड़कर जाते दिखे। न भीड़ और कोई माइक से किसी प्रकाश की आवाज। बस शांति का सुकून की एक तस्वीर।

ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर के बंद पट भी कुछ इसी तरह का अहसास करा रहे थे। रात के सन्नाटे में भगवान से मिलने की इच्छा लिए श्रद्धालु यहां दिखे। उनके मन में सच्ची आस्था और श्रद्धा का जुनून सवार था। ठाकुर राधारमण मंदिर के गेट का नजारा एक अद्भुत था। भले ही मंदिर का गेट बंद था,लेकिन एक अलौकिक शक्ति का अहसास था।

केशीघाट पर परिक्रमा लगाते निकल रहे श्रद्धालु भी रात के सन्नाटे में बड़े सुकून के साथ आगे बढ़ते नजर आ रहे थे। वृंदावन के परिक्रमा मार्ग में रात के वक्त सन्नाटा था, लेकिन विद्युत की रोशनी में एक अलग तरह का अहसास महसूस हो रहा था। यहां रात में कुछ श्रद्धालु शांति के वातावरण में परिक्रमा लगाते दिखे।

आयुष्मान योजना से 1.29 लाख मरीजों को मिला मुफ्त इलाज

आयुष्मान कार्ड योजना से इलाज कराते लोग।

यूनक समय, मथुरा। प्रधानमत्रा आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत जिले में अब तक 1.29 लाख से अधिक मरीजों को निशुल्क उपचार का लाभ मिल चुका है। सीएमओ डॉ.राधा बल्लभ ने बताया कि जिले में 68 अस्पताल इस योजना के पैनल में शामिल हैं,जहां पात्र परिवारों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

सीएमओ ने बताया कि जिले में 2,15,509 परिवार आयुष्मान कार्ड के लिए पात्र हैं, योजना के तहत 9,62,858 लोगों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 6,10,608 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इन कार्डधारकों में से 1,29,841 मरीज विभिन्न पैनल अस्पतालों में पूरी तरह निःशुल्क इलाज करा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को महंगे उपचार के आर्थिक बोझ से राहत मिली है।

जिले के 68 पैनल अस्पतालों में

6.10 लाख आयुष्मान कार्ड, हजारों परिवारों को राहत

68 पैनल अस्पतालों में पांच लाख तक मुफ्त इलाज

39 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। इनमें 16 सरकारी अस्पताल वर्तमान में सक्रिय रूप से योजना के तहत सेवाएं दे रहे हैं, जबकि शेष अस्पतालों को भी चरणबद्ध तरीके से पूरी क्षमता के साथ जोड़ा जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गरीब और जरूरतमंद परिवारों, बीपीएल कार्डधारकों, पात्र लाभार्थियों और छह या उससे अधिक सदस्यों वाले परिवारों को हृदय रोग, गंभीर संक्रमण, फ्रैक्चर, गॉल ब्लैडर ऑपरेशन सहित अनेक गंभीर बीमारियों का मुफ्त उपचार उपलब्ध कराया जाता है। सीएमओ ने पात्र नागरिकों से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवाकर इस जनकल्याणकारी योजना का उठाने को कहा है।

आषाढ़ में शुरू होगा पर्वों और साधना का पावन क्रम

यूनिक समय, मथुरा। आषाढ़ मास के साथ ही ब्रज में धार्मिक आस्था और साधना का विशेष दौर शुरू होने जा रहा है। मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, गोकुल और बलदेव के मंदिरों में गुप्त नवरात्र, भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा, देवशयनी एकादशी, चातुर्मास और गुरु पूर्णिमा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। श्रद्धालु पूजा–अर्चना, जप, तप और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

आचार्य पंडित अशोक कुमार ने बताया कि आषाढ़ मास भगवान श्रीहरि विष्णु, भगवान शिव और गुरु की उपासना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई से गुप्त नवरात्र प्रारंभ होंगे। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के गुप्त स्वरूपों की विशेष साधना की जाती है और तांत्रिक, शक्ति उपासना का भी विशेष महत्व माना जाता है।

उन्होंने बताया कि 25 जुलाई को

15 जुलाई से गुप्त नवरात्र, 25 से चातुर्मास का शुभारंभ मंदिरों में बढ़ी धार्मिक तैयारियां

देवशयनी एकादशी के साथ भगवान विष्णु योगनिद्रा में प्रवेश करेंगे और इसी दिन से चातुर्मास का शुभारंभ होगा। चातुर्मास के चार महीनों में विवाह, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कार्यों पर विराम रहता है, जबकि व्रत, दान, सत्संग, कथा–श्रवण और भक्ति साधना का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

आचार्य के अनुसार, आषाढ़ मास में 14 जुलाई को आषाढ़ अमावस्या, 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा, 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धालु अपने गुरु का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

ब्रज के प्रमुख मंदिरों और आश्रमों में इन पर्वों को लेकर विशेष धार्मिक आयोजन, भजन–कीर्तन और सत्संग की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि आषाढ़ मास में भगवान विष्णु और भगवान शिव की आराधना और मंत्र जाप करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर कलेक्ट्रेट में हुई अहम बैठक

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला सैनिक कल्याण बंधु की बैठक में अधिकारी और पूर्व सैनिक।

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को एडीएम न्यायिक वेदप्रिय आर्य की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिला सैनिलक कल्याण बंधु की बैठक हुई। बैठक में कर्नल एके सिंह जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने पिछली बैठकों में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर अब तक हुई कार्रवाई से अवगत कराया और नए प्रार्थना पत्रों को विचार के लिए एडीएम के समक्ष रखा।

वरिष्ठ सैनिक बंधु और कोऑर्डिनेटर खेमचंद शर्मा नागेश ने बताया कि बैठक में केवल पूर्व सैनिक वीर नारी और अस्तित्व के व्यक्तिगत समस्याओं से संबंधित प्रार्थनाओं पर ही विचार किया जाएगा, जिनका प्रकरण न्यायालय में लंबित है, उन पर विचार और कार्रवाई नहीं हो सकेगी। बैठक में तेज सिंह, कैप्टन जवाहरलाल, मनीष पूनिया, मनोज कुलश्रेष्ठ, सूबेदार आरबीएस यादव,बृज सिंह पांडव , हरिओम तिवारी, भूदेव सिंह रघुवीर सिंह, सूबेदार शुक्ला, ललिता, गिरधारी, सीमा, सदाशिव ने भी विचार रखें।

बांके बिहारी मंदिर मार्ग क्षेत्र में जर्जर छज्जा गिरा, हादसा टला

यूनिक समय, मथुरा। श्री बांके बिहारी मंदिर को जोड़ने वाली गौतम पाड़ा की संकरी गली में शुक्रवार को एक जर्जर मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर पड़ा।

राहत की बात यह रही कि घटना के समय गली में भीड़ नहीं थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सामान्य दिनों और त्योहारों पर इस मार्ग से हजारों श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है। समाज सेविका लक्ष्मी गौतम ने बताया कि जिस समय छज्जा गिरा, उस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था। यदि गली में श्रद्धालु या स्थानीय लोग होते तो गंभीर जनहानि हो सकती थी।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कई मकानों के छज्जे जर्जर हालत में हैं और इस संबंध में वह पहले भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर चुकी हैं।

श्रीबांके बिहारी गली गौतम पाड़ा में इसी मकान का गिरा है छज्जा।

स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग सेंटरों के आसपास हो निगरानी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, लखनऊ /आगरा। छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर राज्य महिला आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान ने प्रदेश के सभी डीएम, पुलिस आयुक्तों, एसएसपी-एसपी को निर्देश जारी करते हुए स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की तत्काल समीक्षा करने पर जोर दिया है। उन्होंने इन संस्थानों और इनके मार्गों पर लगे सीसी कैमरों की कार्यशीलता जांचने, पुलिस गश्त बढ़ाने और निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त कर उसकी सूचना महिला आयोग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

आयोग की अध्यक्ष ने माना कि शैक्षणिक संस्थानों और उनके आसपास छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन और पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निर्देशों के अनुसार सभी जिले के अधिकारी अपने–अपने जनपदों में स्थित स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों का भौतिक सत्यापन कराएं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि इन संस्थानों तक आने–जाने वाले प्रमुख मार्गों पर लगे सीसीकैमरे पूरी तरह कार्यशील हों और उनकी नियमित निगरानी की

महिला आयोग की अध्यक्ष ने दिए निर्देश

सीसी कैमरों में कैद फुटेजों की जांच हो

व्यवस्था हो।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि शैक्षिणक संस्थानों के आसपास पुलिस की नियमित गश्त बढ़ाई जाए, ताकि छात्राओं- महिलाओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को समय रहते रोका जा सके। आयोग ने सभी जनपदों में इन व्यवस्थाओं की प्रभावी निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करने के भी निर्देश दिए हैं। नियुक्त नोडल अधिकारी सुरक्षा व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग करेंगे और की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य महिला आयोग को उपलब्ध कराएंगे।

महिला आयोग के इस निर्देश को प्रदेश भर में छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे न केवल सुरक्षा तंत्र की जवाबदेही बढ़ेगी, बल्कि स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों के आसपास निगरानी व्यवस्था भी अधिक प्रभावी होगी।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com